हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 6, अंकः 54, पृष्ठ 4, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 7 अगस्त, 2021 दिन शनिवार गाजीपुर/वाराणसी

'राजीव गांधी खेल रत्न अवार्ड' अब होगा मेजर ध्यानचंद खेल रत्न अवार्ड

खेल रत्न पुरस्कार का नाम बदला, प्रधानमंत्री मोदी ने की घोषणा

नई दिल्ली। भारत के खेल इतिहास में सबसे प्रभावशाली व्यक्तित्व जिसे हॉकी के जादूगर के नाम से जाना जाता है। मेजर ध्यानचंद ने भारत को दुनिया में अलग पहचान दिलाई और अब भारत सरकार ने उनको सबसे बड़ा सम्मान देते हुए उनके नाम पर खेल के सबसे बड़ा अवार्ड का नाम रखने की घोषणा की है। खेल रत्न अवार्ड खेल की दुनिया में शानदार उपलब्धि हासिल करने वाले खिलाड़ी को दिया जाता है। इसका नाम राजीव गांधी खेल रत्न अवार्ड है जिसे अब बदलकर मेजर ध्यानचंद खेल रत्न अवार्ड किया जाएगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को इस बात की जानकारी देशवासियों को दी। उनके ट्विटर हैंडल से पोस्ट में लिखा गया कि मेजर ध्यानचंद भारत के महान खिलाड़ियों में से हैं और उनके नाम पर खेल के सबसे बड़े अवार्ड का नाम रखा जाना ही उचित होगा। ट्विटर संदेश में लिखा गया, मेजर ध्यानचंद भारत के खिलाड़ियों में अग्रणीय हैं जिन्होंने भारत को

गौरवान्वित किया और सम्मान दिलाया। यह बिल्कुल सही होगा अगर देश के खेल के सबसे बड़े अवार्ड का नाम उनके नाम पर रखा जाए। पीएम के ट्विटर हैंडल पर इस बड़े संदेश को हिन्दी और अंग्रेजी दोनों में ही जारी किया गया है। मेजर ध्यानचंद ने भारतीय हॉकी को पूरी दुनिया में मशहूर किया। ओलंपिक में भारत को कई गोल्ड मेडल दिलाने वाले इस खिलाड़ी के हॉकी स्टिक को मैगनेट का माना जाता था। ऐसा कहा जाता था कि अगर एक बार गेंद उनके पास चली आए तो वह स्टिक से चुंबक की तरह से चिपक जाती है और किसी भी विरोधी का इसे छीन पाना नामुमकिन जैसा हो जाता था। यह खेल की दुनिया में दिया जाने वाला सबसे बड़ा भारतीय खेल सम्मान है। अपने-अपने खेल में अमूल्य योगदान करने वाले खिलाड़ियों को खेल रत्न अवार्ड से सम्मानित किया जाता है। इस सम्मान को पाने वाले खिलाड़ी को 25 लाख की पुरष्कार राशि और एक प्रमाणपत्र दिया जाता है।

दशकों बाद पुनर्जीवित हो रही है भारत की पहचान : मोदी

नई दिल्ली। जापान में खेलों का महाकुंभ ओलंपिक जारी है। वहां से भारत के लिए शुक्रवार को कुछ अच्छी तो कुछ बुरी खबर आई। इसमें भारतीय महिला हॉकी टीम की हार भी थी। हालांकि, पूरे देश अपनी टीम को बधाइयां दे रहा है, लेकिन एक खिलाड़ी के तौर पर दुख होना लाजमी है। भारतीय महिला हॉकी टीम आज ग्रेट ब्रिटेन के कांस्य पदक के लिए मैदान में उतरी थी, जिसमें उसको 4-3 से मात झेलनी पड़ी। इसी के साथ टीम टोक्यो ओलिंपिक की प्वाइंट्स टेबल में चौथे स्थान पर रही। भारतीय टीम बेहद अच्छा खेली व उसको पूरे देश से बधाइयां मिल रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी ट्वीट करते हुए टीम का होसला बढ़ाया था। वहीं, पीएम मोदी की महिला टीम से हुई फोन पर बातचीत का वीडियो भी सामने आया है, जो बेहत भावुक कर देने वाला है।

बंगाल में पीएम किसान सम्मान निधि योजना पर सीएम ममता की सियासत

कोलकाता। बंगाल में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना पर शुरू से ही मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सियासत करती आ रही हैं, जो अब भी जारी है। पहले तो इसे बंगाल में लागू नहीं होने दिया, क्योंकि इससे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा को लाभ मिल जाता। जब विधानसभा चुनाव सिर पर आया और भाजपा नेताओं ने इसे मुद्दा बनाया तो कहीं सियासी नुकसान न हो जाए तो अनमने तरीके से ममता ने पत्र लिखकर योजना लागू करने पर सहमति जताई। विधानसभा चुनाव के दौरान पीएम मोदी से लेकर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह तक यह कहते रहे कि ममता सरकार किसानों की सूची नहीं भेज रही है। चुनाव में तीसरी बार जीत मिलने और सीएम बनने के बाद ममता ने किसानों की सूची केंद्र सरकार को भेजी। उसी अनुसार पीएम मोदी ने विधानसभा चुनाव में भाजपा की हार के बाद भी देश के अन्य राज्यों के साथ-साथ बंगाल में भी किसान सम्मान निधि योजना के तहत पहली किस्त के रूप में सात लाख से अधिक किसानों के खाते में दो-दो हजार रुपये भेजे। उस समय भी ममता ने सवाल उठाया था कि दो-दो हजार रुपये ही क्यों भेजे गए? किसानों को पिछला बकाया जोड़कर 18 हजार रुपये मिलने चाहिए थे। वहीं प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दिलीप घोष की ओर से सवाल उठाया गया कि बहुत सारे असली किसानों का नाम छोड़कर तृणमूल नेताओं एवं कार्यकर्ताओं के नाम भेजे गए हैं, जिसकी जांच होनी चाहिए।

लद्दाख में उच्च शिक्षा को लेकर सरकार का बड़ा कदम लोस में सेंट्रल यूनिवर्सिटी बनने संबंधी विधेयक पास

नई दिल्ली। लद्दाख में उच्च शिक्षा की दिशा में केंद्र की मोदी सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। लोकसभा में शुक्रवार को 'केंद्रीय विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2021' को मंजूरी दे दी गई, जिसमें केंद्र शासित क्षेत्र लद्दाख में एक केंद्रीय विश्वविद्यालय स्थापित करने का प्रावधान किया गया है। इस संस्थान का नाम 'सिंधु केंद्रीय विश्वविद्यालय' होगा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने 'केंद्रीय विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2021 को चर्चा एवं पारित करने के लिये रखते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले साल 15 अगस्त को घोषणा की थी कि लद्दाख में केंद्रीय विश्वविद्यालय स्थापित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह अनुच्छेद 370 हटने का एक सुखद संकेत भी है। पहले लद्दाख को केंद्रशासित प्रदेश बनाया गया और अब वहां केंद्रीस विश्वविद्यालय की स्थापना की जा रही है। धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि इस विश्वविद्यालय में 2500 विद्यार्थियों के पढ़ने की व्यवस्था रहेगी। विश्वविद्यालय की स्थापना के बाद वहां के विद्यार्थियों का देश के साथ भावनात्मक एकीकरण होने में मदद मिलेगी। पेगासस जासूसी विवाद, किसान आंदोलन जैसे विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की मांग को लेकर चल रहे विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बीच निचले सदन ने 'केंद्रीय विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2021' को मंजूरी दे दी। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पिछले दिनों लद्दाख में एक केंद्रीय विश्वविद्यालय स्थापित करने के

प्रस्ताव को मंजूरी दी थी जिस पर 750 करोड़ रुपए लागत आने की बात कही गई थी। इस विश्वविद्यालय का पहला चरण चार वर्षों में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। विधेयक के उद्देश्यों एवं कारणों में कहा गया है कि 'केंद्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 विभिन्न राज्यों में शिक्षा और अनुसंधान के लिये विश्वविद्यालयों की स्थापना करने, उनके नियमन, उनसे संबंधित विषयों को अधिनियमित करने का उपबंध करने के लिये बनाया गया था। इसमें कहा गया है कि केंद्र शासित क्षेत्र लद्दाख में कोई केंद्रीय विश्वविद्यालय नहीं है, इसलिये सरकार ने वहां एक नया केंद्रीय विश्वविद्यालय स्थापित करने का निश्चय किया है।विधेयक के उद्देश्यों में कहा गया है कि इससे क्षेत्र में उच्च शिक्षा की पहुंच और गुणवत्ता को बढ़ाया जा सकेगा। इसमें कहा गया है, "केंद्रीय विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2021 अन्य बातों के साथ केंद्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 में संशोधन करने के लिये है जिससे केंद्र शासित क्षेत्र लद्दाख में 'सिंधु केंद्रीय विश्वविद्यालय स्थापित करने के लिये उपबंध किया जा सके।

राजोरी के थानामंडी में मुठभेड़, दो आतंकियों का हुआ खात्मा, ऑपरेशन जारी

जम्मू। जम्मू संभाग के राजोरी जिले में थानामंडी क्षेत्र में आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ चल रही है। अभी

तक दो आतंकियों को मार गिराने में सफलता मिली है। मुठभेड़ में मारे गए और अन्य घिरे हुए आतंकी दक्षिण कश्मीर से राजोरी पहुंचे थे। इस आतंकी समूह में दो विदेशी आतंकियों के होने की भी आशंका है। पिछले दो सप्ताह से खुफिया एजेंसियां इस आतंकी समूह पर इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस के जरिए नजर रख रही थीं। आतंकियों के राजोरी पहुंचने का इनपुट मिलते ही सुरक्षाबलों की संयुक्त टीम ने ऑपरेशन शुरू किया। इस दौरान घेरा सख्त होता देख आतंकी फायरिंग करने लगे। जवाबी कार्रवाई के साथ मुठभेड़ शुरू हो गई। सैन्य प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल देवेंद्र आनंद ने बताया कि जम्मू-कश्मीर पुलिस से सटीक खुफिया जानकारी के आधार पर, गुरुवार रात थानामंडी के वन क्षेत्र में एक संयुक्त अभियान शुरू किया गया था। मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गए हैं। ऑपरेशन जारी है। बता दें कि घाटी में खात्मे की कगार पर पहुंच चुके आतंकी संगठन अब जम्मू संभाग में आतंकी गतिविधियां तेज करने में जुटे हुए हैं। पुलिस, सेना और खुफिया एजेंसियों की सटीक सूचना से आतंकियों के हर नापाक मंसूबे को लगातार विफल किया जा रहा है। संभाग में शुक्रवार को ही हथियारों की एक खेप भी बरामद की गई है। जोकि आतंकियों के लिए सीमा पार से भेजी गई थी। सांबा जिले में बब्बर नाले से दो पिस्टल, पांच मैग्जीन, पिट्ठू बैग, आईईडी जैसा एक खाली पाइप और 122 कारतूस बरामद हुए हैं। आशंका जताई जा रही है कि उसी के जरिए ये हथियार गिराए गए हैं।

काले कृषि कानूनों को रद्द करे सरकार : राहुल गांधी

नई दिल्ली। कृषि कानूनों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे किसानों के समर्थन में आज करीब 14 विपक्षी दलों के नेता जंतर मंतर पहुंचे। इसमें कांग्रेस सांसद राहुल गांधी भी शामिल हुए। जंतर मंतर पर विपक्षी सांसद किसानों के समर्थन में प्रदर्शन कर रहे हैं। सांसद सेव फार्मस, सेव इंडिया के नारे लगा रहे हैं। राहुल गांधी समेत जंतर मंतर पर विपक्षी दलों के नेता किसानों के हक में आवाज बुलंद कर रहे हैं। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और सांसद राहुल गांधी ने कहा कि किसानों को समर्थन देने आज यहां आए हैं। सरकार को काले कृषि कानून रद्द करने होंगे, जिसके बाद ही आंदोलन खत्म होगा। राहुल गांधी ने जासूसी कांड को लेकर पीएम को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि हर हिंदुस्तानी के फोन में मोदी घूस गए हैं। विपक्षी दलों के इस प्रदर्शन में कांग्रेस, एनसीपी, शिवसेना, समाजवादी पार्टी, डीएमके, आरजेडी समेत वाम दलों के नेता शामिल हैं। हालांकि, आम आदमी पार्टी, टीएमसी और बीएसपी इसमें शामिल नहीं है। इस प्रदर्शन में राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे,

संजय राउत, मनोज झा, डीएमके नेता समेत अन्य नेता शामिल हैं। किसान नेता राकेश टिकैत ने विपक्ष के इस कदम का स्वागत किया है। हालांकि, राकेश टिकैत ने कहा कि उन्होंने अपने मंच पर किसी नेता को जगह नहीं दी है। सभी नेता दर्शक दीर्घा में बैठे हुए हैं।

धनबाद जज की मौत पर सुप्रीम कोर्ट ने आईबी-सीबीआई को घेरा, कहा- नहीं कर रहे न्यायपालिका की मदद

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने धनबाद के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश की हत्या की जांच कर रही सीबीआई से जजों की सुरक्षा के लिए किए गए उपायों पर रिपोर्ट सौंपने को कहा है। सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई को नोटिस जारी कर कहा कि न्यायाधीशों को धमकाने और उनके साथ अभद्रता की कई घटनाएं सामने आई हैं, लिहाजा कोर्ट ने सभी राज्यों से जजों की सुरक्षा के लिए किए गए उपायों पर स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने को कहा है।

सुप्रीम कोर्ट ने जांच एजेंसियों के काम करने के तौर तरीकों पर भी सवाल खड़े किए हैं। मुख्य न्यायाधीश एनवी रमण ने कहा कि आईबी और सीबीआई न्यायपालिका की बिल्कुल भी मदद नहीं कर रहे हैं, जब जज शिकायत करते हैं तो जवाब तक देना उचित नहीं समझते हैं। शीर्ष कोर्ट ने कहा कि पिछले कुछ समय से हाई-प्रोफाइल लोगों के पक्ष में अनुकूल आदेश पारित नहीं होने पर न्यायपालिका को बदनाम करने का एक नया चलन शुरू हो गया।

झारखंड की ओर से पेश वकील ने शीर्ष अदालत को बताया कि 28 जुलाई की घटना की जांच सीबीआई को सौंप दी गई है।

पीठ ने अटॉर्नी जनरल के के वेणुगोपाल से कहा कि ऐसे कई मामले हैं जिनमें गैंगस्टर और हाई-प्रोफाइल व्यक्ति शामिल हैं और न्यायाधीशों को धमकी या अपशब्दों वाले संदेश मिलने के उदाहरण हैं। पीठ ने कहा, न्यायाधीशों को शिकायत दर्ज कराने की भी आजादी नहीं है। पीठ ने कहा कि यदि ऐसी शिकायतें दर्ज की जाती हैं तो पुलिस या सीबीआई न्यायपालिका की मदद नहीं करती है। पीठ ने कहा कि हम झारखंड मामले की सुनवाई सोमवार (9 अगस्त) को करेंगे। हम सीबीआई को नोटिस जारी कर रहे हैं। बता दें कि धनबाद की घटना के मद्देनजर, सुप्रीम कोर्ट ने अदालतों और न्यायाधीशों की सुरक्षा के मुद्दे पर स्वतः संज्ञान लिया है। धनबाद अदालत के जिला एवं सत्र न्यायाधीश-8 उत्तम आनंद 28 जुलाई को सुबह की सैर पर निकले थे, तभी सदर थानाक्षेत्र में जिला अदालत के पास रणधीर वर्मा चौक पर एक ऑटो-रिक्शा ने उन्हें टक्कर मार दी थी जिससे उनकी मौत हो गई।

वैक्सीन की एक ही डोज पर्याप्त, जॉनसन ने भारत में आपात इस्तेमाल के लिए मांगी अनुमति

नई दिल्ली। कोरोना के खिलाफ जंग में जल्द ही भारत को एक और वैक्सीन मिल सकती है। दरअसल, अमेरिकी फार्मा कंपनी जॉनसन एंड जॉनसन ने अपनी वैक्सीन के आपात इस्तेमाल के लिए भारत सरकार से अनुमति मांगी है। खास बात यह है कि यह वैक्सीन सिंगल डोज वैक्सीन है। यानी इसकी एक ही डोज कोरोना के खिलाफ काफी है। भारत में अबतक जितनी भी वैक्सीन कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए इस्तेमाल हो रही हैं, वे सभी डबल डोज वैक्सीन हैं। भारत में अभी तक भारत बॉयोटेक की को-वैक्सीन, कोविशील्ड व रूस की स्पूतनिक-वी का इस्तेमाल कोरोना के खिलाफ किया जा रहा है। इन तीनों वैक्सीन के माध्यम से भारत में कोरोना संक्रमण रोकने के लिए बड़े स्तर पर टीकाकरण अभियान भी चलाया जा रहा है। ऐसे में अगर भारत सरकार जॉनसन एंड जॉनसन कंपनी को अनुमति देती है तो यह चौथी वैक्सीन होगी, जिसका इस्तेमाल कोरोना के खिलाफ किया जाएगा। इस वैक्सीन की एक ही डोज पर्याप्त होगी। को-वैक्सीन, कोविशील्ड व स्पूतनिक-वी की मदद से भारत में अबतक करीब 50 करोड़ लोगों को वैक्सीन लगाई जा चुकी है। केंद्रीय स्वास्थ्य

मंत्रालय की ओर से जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार 49.5 करोड़ लोगों का टीकाकरण किया जा चुका है। गुरुवार की शाम जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार गुरुवार को देश में 50.29 लोगों को वैक्सीन लगाई गई। अब तक 18 से 44 साल की उम्र तक के 16.92 करोड़ लोगों को पहली खुराक तो वहीं 1.07 करोड़ लोगों को दोनों खुराक लगाई जा चुकी है।

अमेजन की बड़ी जीत, सुप्रीम कोर्ट ने फ्यूचर रिटेल के साथ रिलायंस की डील पर लगाई रोक

नई दिल्ली। अमेजन-फ्यूचर-रिलायंस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने अपना फैसला सुना दिया है। मामले में रिलायंस और फ्यूचर रिटेल लिमिटेड (एफआरएल) को झटका लगा है। रिलायंस व फ्यूचर रिटेल के 24,713 करोड़ रुपये के सौदे के मामले में अमेरिकी ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन की बड़ी जीत हुई है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि सिंगापुर के इमरजेंसी आर्बिट्रेटर का फैसला भारत में लागू करने योग्य है। यह भारतीय कानूनों के तहत वैध है। इमरजेंसी आर्बिट्रेटर ने इस सौदे पर रोक लगाई थी। रिलायंस रिटेल के साथ फ्यूचर के सौदे पर रोक लग गई है। रिलायंस-फ्यूचर डील के खिलाफ अमेजन की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने ये फैसला सुनाया है। पीठ ने कहा कि, आपात निर्णायक का आदेश धारा 17 (1) के तहत आने वाला आदेश है और इसे मध्यस्थता एवं सुलह अधिनियम की धारा 17 (2) के तहत लागू करने योग्य है।

शीर्ष अदालत ने इस बात का फैसला लेना था कि सिंगापुर के आपातकालीन पंचाट का फ्यूचर को रिलायंस के साथ विलय सौदे से रोकने का फैसला भारतीय कानून के हिसाब से वैध है या नहीं। अमेजन ने रिलायंस और फ्यूचर ग्रुप के बीच हुई डील का अलग-अलग अदालतों में विरोध किया था। न्यायमूर्ति आर एफ नरीमन की पीठ ने सभी पक्षों की दलीलों को सुनने के बाद

फ्यूचर रिटेल लिमिटेड और रिलायंस रिटेल के मामले में 29 जुलाई को अपना फैसला सुरक्षित रखा था। इस खबर के बाद आज रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में भारी गिरावट आई। सुबह 11.35 बजे यह 43.95 अंकों (2.06 फीसदी) की गिरावट के साथ 2089.35 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। शुरूआती कारोबार में यह 2125.20 के स्तर पर खुला था। जबकि पिछले सत्र में यह 2133.30 पर बंद हुआ। मौजूदा समय में कंपनी का बाजार पूंजीकरण 1324531.55 करोड़ रुपये है। साल 2019 में अमेजन ने फ्यूचर समूह की गिफ्ट वाउचर इकाई में 49 फीसदी हिस्सेदारी के लिए 1920 लाख डॉलर का भुगतान किया था। मामले में अमेजन का कहना है कि इस सौदे की शर्तें फ्यूचर समूह को फ्यूचर रिटेल लिमिटेड के कारोबार को रिलायंस को बेचने से रोकती हैं। उच्चतम न्यायालय ने 22 फरवरी को अपने अंतरिम आदेश में राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) से विलय पर अंतिम आदेश पारित नहीं करने को कहा था। फ्यूचर समूह ने रिलायंस के साथ 24,713 करोड़ रुपये के सौदे के लिए नियामकीय मंजूरियों के लिए न्यायाधिकरण का रुख किया था। वहीं अमेजन ने दिल्ली उच्च न्यायालय की खंडपीठ के आदेश को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी।

ब्याज दरों पर बड़ा फैसला, लगातार 7 वीं बार रेपो रेट में नहीं हुआ कोई बदलाव

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने प्रमुख नीतिगत दर रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं किया और इसे रिकॉर्ड न्यूनतम स्तर पर बरकरार रखा है। यह लगातार सातवीं बार है जब रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं हुआ है। इससे पहले, 22 मई 2020 को नीतिगत दर में बदलाव किया गया था और यह रिकॉर्ड न्यूनतम स्तर पर आ गई थी। रेपो रेट चार फीसदी पर बरकरार है। यानी आज ग्राहकों को ईएमआई या लोन की ब्याज दरों पर नई राहत नहीं मिली है। मार्जिनल स्टैंडिंग फैसिलिटी रेट भी 4.25 फीसदी पर स्थिर है। रिवर्स रेपो रेट को भी 3.35 फीसदी पर स्थिर रखा गया है। इसके साथ ही बैंक रेट में भी कोई बदलाव नहीं करने का फैसला लिया गया है। यह 4.25 फीसदी पर है। कोविड-19 महामारी की तीसरी लहर की आशंका के बीच आरबीआई ने यह निर्णय ऐसे समय में लिया जब मुद्रास्फीति पिछले दो महीनों में लक्ष्य के तहत निर्धारित सीमा से ऊपर पहुंच गई। आर्थिक गतिविधियों में तेजी लाने और वृद्धि को गति देने के लिए आरबीआई ने यह कदम उठाया है। मालूम हो कि रेपो रेट वह रेट होता है, जिस पर आरबीआई वाणिज्यक बैंकों और दूसरे बैंकों को लोन देता है। इसे रिप्रोडक्शन रेट या रेपो रेट कहते हैं। रेपो रेट के कम होने का अर्थ है कि बैंक से मिलने वाले सभी तरह के लोन ग्राहकों के लिए सस्ते हो जाएंगे और यदि यह दर बढ़ती है तो सभी तरह के लोन- होम लोन, व्हीकल लोन, पर्सनल लोन, आदि महंगे हो जाते हैं। दरअसल बैंकों के पास जो अतिरिक्त नकदी होती है, वे उसे केंद्रीय बैंक के पास जमा करा देते हैं। इस जमा राशि पर बैंकों को ब्याज का लाभ मिलता है और जिस दर पर बैंकों को आरबीआई में उनके धन पर ब्याज मिलता है, उसे रिवर्स रेपो रेट कहते हैं। यह बाजारों में नकदी को नियंत्रित करने में काम आता है।

चिंतन मनन

बाढ़ की समस्या

मध्यप्रदेश समेत देश के कई हिस्सों में लगातार हो रही भारी बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है। मैदान से लेकर पहाड़ तक हालात खराब हैं और कई जगह सेना को बुलाना पड़ा है। मध्य प्रदेश के शिवपुरी, श्योपुर, ग्वालियर और दतिया में लगातार हो रही बारिश से लगभग 1,171 गांव बाढ़ की चपेट में आ गए हैं। शिवपुरी में 200 से ज्यादा गांव जलमग्न हो गए हैं। पीएम नरेंद्र मोदी हर पल की स्थिति की जानकारी ले रहे हैं और राज्यों को हर संभव मदद का आश्वासन दिया है। अमूमन हर साल इन दो-तीन महीनों के दौरान बरसात की वजह से देश के कई इलाकों में बाढ़ जैसे हालात आम हैं। लेकिन हर साल इस वजह से होने वाली तबाही से शायद ही कोई सबक लिया जाता है। नतीजतन, हर अगले साल बाढ़ से होने वाली बबार्दी का पैमाना घटता नहीं है, बल्कि कई जगहों पर यह व्यापक हो जाता है। इस साल एक बार फिर लगातार बरसात से कई राज्यों में बाढ़ ने विकराल रूप अख्तियार कर लिया है और तबाही का दायरा भी बढ़ता जा रहा है। यों बाढ़ और बबार्दी के लिहाज से बिहार को एक खास पहचान-सी मिली हुई है और मान लिया जाता है कि वहां इस मौसम में लोग बरसात और बाढ़ को लेकर अभ्यस्त हो चुके हैं। विडंबना यह है कि इसे एक गंभीर समस्या के रूप में देखने के बजाय इससे निपटने के प्रति उदासीनता या लापरवाही की वजह से नुकसान का दायरा बड़ा हो जाता है। इस साल हालत यह है कि गंगा, बागमती, गंडक, पुनपुन और घाघरा सहित कई अन्य नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। पूवार्नुमान के मुताबिक पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र सहित उत्तर-पश्चिम भारत में अगले दो-तीन दिनों तक भारी बारिश हो सकती है, जिसके दायरे में गुजरात, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, असम, उत्तराखंड सहित 11 राज्य आ सकते हैं। मौसम विभाग ने सावधानी बरतने की चेतावनी जारी की है। दरअसल, पिछले कई सालों की तरह इस बार भी बरसात की शुरूआत के बाद से ही देश के अनेक राज्यों की नदियों में उफान आ गया और उसके तटीय इलाके पहले ही बाढ़ के दायरे में थे। अब पिछले कुछ दिनों से लगातार बरसात की वजह से बाढ़ वाले तमाम इलाकों में जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर चला गया है। ऐसे में जान-माल को होने वाले नुकसान का बस अंदाजा ही लगाया जा सकता है। सही है कि बरसात मौसम के प्राकृतिक चक्र का अनिवार्य हिस्सा है और बाढ़ को भी प्राकृतिक आपदा माना जाता है। लेकिन बाढ़ जितनी कुदरती तौर पर मनुष्य के लिए संकट बनती है, उससे ज्यादा यह मनुष्यों की व्यवस्था की वजह से कहर बरपाती है। शायद ही कभी बांध बनाते हुए दूरगामी असर या नतीजों का आकलन किया जाता है। नदियों को बांध कर तात्कालिक तौर पर कोई फायदा तो सुनिश्चित कर लिया जाता है, लेकिन उसमें पानी जमा होकर जब एक सीमा से अधिक हो जाता है, तब आखिर उसे छोड़ना ही पड़ता है। यानी जो पानी अपनी सहज गति से नदियों के अपने रास्ते से निकल जाता, वह बांधों की वजह से तबाही की शक्ल ले लेता है। शहरों में पानी की निकासी की व्यवस्था को लेकर जिस तरह की लापरवाही देखी जाती है, उसमें नदियों में आने वाले बाढ़ की तो दूर, बरसात का पानी ही जमा होकर बाढ़ के रूप में तबाही मचाने लगता है। बाढ़ एक आपदा के रूप में हर साल हमें एक सबक देकर जाती है।

चर्चा में फिर जादूगर!

बदल गया है नाम ।
प्रतिक्रिया थी आनी ।।
कहीं खुशी, कहीं आंसू ।
बनने लगी कहानी ।।
चर्चा में फिर जादूगर ।
गौरव पल है आया ।।
मिला बड़ा सम्मान ।
नामकरण फिर छाया ।।
हो रहा भी व्यक्त ।
कुछ तरफ से खेद ।।
नाम सब हटाकर ।
जान-बूझ यह भेद ।।
मिले उसको वह कुछ ।
जो जिसका हकदार ।।
करवट राजनीति ने ।
फिर बदली इस बार ।।

-कृष्णेन्द्र राय

धर्म जाति और सामाजिक समीकरणों से ऊपर उठकर सृजन रचना निर्माण और विकास की राजनीति में विश्वास करते थे कल्पनाथ राय

सरयू और घाघरा के निर्मल जल से अभिसिंचित वनअवध की माटी के सुप्रसिद्ध गाँव सेमरी जमालपुर में पैदा हुए विकास पुरुष कल्पनाथ राय ने सारी संकीर्णताओ से दूर हटकर सृजन, रचना ,निर्माण और विकास की राजनीति को भारतीय राजनीति में स्थापित करने का श्लाघनीय प्रयास किया। साहित्यिक और सांस्कृतिक अभिव्यंजनाओ के अनुसार हर दौर का शिशु अपने दौर की समस्त सामाजिक ,आर्थिक और राजनीतिक परिस्थितियों की उपज होता हैं ।कल्पनाथ राय के व्यक्तित्व और कृतित्व का गम्भीरता से अवलोकन किया जाए तो निश्चित रूप से प्रतीत होता है कि-स्वाधीनता संग्राम की अवसान और निर्णायक बेला में (4 जनवरी 1941) पैदा हुए विकास पुरुष कल्पनाथ राय न केवल अपने समय की समस्त सामाजिक ,आर्थिक और राजनीतिक परिस्थितियों की कोख की वास्तविक उपज थे बल्कि स्वाधीनता संग्राम के महान मूल्यों , मयार्दाओं ,मान्यताओ, आदर्शो और विचारों से गहरे रूप से अनुप्राणित थे। शहीदों के सपनों का भारत बनाने की तडप और बेचैनी कल्पनाथ राय के सीने में हिलोरे ले रही थी। इसलिए विकास पुरुष को जाति ,धर्म ,कुल, कुनबे की सडांध भरी ओछी राजनीति तनिक भी स्पर्श नहीं कर पाई। छात्र जीवन से ही कल्पनाथ राय के मन में बेहतर समाज बनाने के सपने तैरने लगे थे। जिस उम्र में एक तरूण अपने बेहतर भविष्य के सपने संजोने लगते हैं उस उम्र में कल्पनाथ राय अपने सपनों को तिलांजली देकर जनमानस के सपनों को साकार करने के ख्वाब सँजोने लगे। महात्मा बुद्ध की कर्मभूमि और गुरु गोरक्षनाथ की धर्मभूमि में स्थापित गोरखपुर विश्वविद्यालय से छात्र राजनीति करने वाले कल्पनाथ राय ने आचार्य नरेन्द्र देव, डा राम मनोहर लोहिया ,आचार्य कृपलानी, राजनारायण और युवा तुर्क चन्द्रशेखर के मार्गदर्शन में और विशुद्ध समाजवादी पृष्ठभूमि में राजनीति का ककहरा सीखा। इसलिए निःस्वार्थ से समतामूलक समाज बनाने तथा जनता की सच्ची सेवा करने का संकल्प लिया। सत्तर के दशक में श्री हेमवती नंदन बहुगुणा के माध्यम से आयरन लेडी श्रीमती इन्दिरा गाँधी से मुलाकात ने कल्पनाथ राय के समतामूलक समाज बनाने के संकल्प पर विकास का तडका लगा दिया। इस मुलाकात ने बगावती तेवर वाले कल्पनाथ राय के अन्दर यह समझदारी पैदा कर दी कि-समाज के विकास के लिए आवश्यक आधुनिक तकनीकी संस्थाओं और तरक्की के औजारों की स्थापना तथा आधारभूत संरचनाओं का जाल विछाना आवश्यक है। इस समझदारी के साथ कल्पनाथ राय ने पूर्वांचल के सर्वाधिक पिछडे जिले मऊ कायाकल्प करने का दृढ़ निश्चय किया। सृजन, रचना ,निर्माण और विकास के इस

महासंकल्प में जब प्रशासनिक अडचने आई तो उन्होंने अपने प्रयास से 1988 मे मऊ जनपद की स्थापना कराने में सफलता प्राप्त की। स्थापना के महज दस साल में ही मऊ जनपद को तरक्की और विकास विकास की उस बुलंदी तक का पहुँचा दिया जिसकी चर्चा और परिचर्चा पूर्वांचल के हर चट्टी चौराहे से लेकर दिल्ली और लखनऊ के सियासी गलियारों में आज तलक बदस्तूर जारी हैं।कल्पनाथ राय ने अपने पराक्रम प्रतिभा परिश्रम और पसीने से न केवल ऋषिओ मुनियों की तपोभूमि वनअवध की कोख को धन्य कर दिया बल्कि तरक्की के आधुनिक संस्थानों और प्रतिष्ठानों को जमीन पर उतार कर अपनी माटी को चमकाने महकाने का अद्वितीय प्रयास किया। शिक्षा के क्षेत्र में नवोदय विद्यालय, केन्द्रीय विद्यालय और कृषि शोध संस्थान,चिकित्सा के क्षेत्र में जनपद मुख्यालय पर पी जी आई मॉडल का अस्पताल, कृषि क्षेत्र में शानदार घोसी चीनी मिल,जनपद के गांव गली कूंचे को रोशनी से जगमगाने के लिए अनेक उर्जा केन्द्रों की स्थापना,जनपद मुख्यालय और मऊ शहर के चारों तरफ ओवरब्रिज,यातायात के क्षेत्र में शानदार रेलवे स्टेशन शानदार सडकों का निर्माण इत्यादि अनगिनत कीर्तिमान विकास पुरुष कल्पनाथ राय के शानदार व्यक्तित्व और कृतित्व की निशानी है और उनके सीने में मऊ को लखनऊ सरीखा शहर बनाने की तडप और बेचैनी की कहानी बयां कर रहे हैं। इसलिए उत्तर प्रदेश की राजनीति में सृजन रचना निर्माण और विकास को स्थापित करने वाले दिग्गज महारथियों पंडित कमलापति त्रिपाठी स्वर्गीय श्री बीर बहादुर सिंह की परम्परा में कल्पनाथ राय का नाम आदर सम्मान के साथ लिया जाता है। स्वाधीनता उपरांत भारतीय राजनीति में समाजवादी पाठशाला के राजनीतिक विद्यार्थी रहे कल्पनाथ राय ने निर्माण और विकास यात्रा में किसी तरह का भेदभाव नहीं किया। विकास और निर्माण की राजनीति के पक्षधर कल्पनाथ राय भारतीय सभ्यता और संस्कृति के अनुरूप सर्वसमावेशी धर्म निरपेक्ष राजनीति के प्रखर समर्थक थे। विकास की राजनीति का नशा विकास पुरुष के मन मस्तिष्क और हृदय में इस कदर छाया रहा कि- निराशावादी और नकारात्मक राजनीति कल्पनाथ राय के व्यक्तित्व को स्पर्श नहीं कर पाई। अपने सम्पूर्ण राजनीतिक जीवन में वह गरीबी भूखमरी बेरोजगारी और पिछड़ेपन से लडते रहे कभी किसी व्यक्ति को कभी अपना दुश्मन नहीं बनाया। वह सर्वदा सकारात्मक ,रचनात्मक और सृजनात्मक राजनीति के पक्षधर रहे। इसलिए सृजन रचना निर्माण और विकास की राजनीति को भारतीय राजनीति में स्थापित करने वाले श्लाका पुरुषों में विकास पुरुष कल्पनाथ अग्रपांक्तेय रहेंगे। आज उनकी पुण्यतिथि पर सम्पूर्ण जनमानस आहे भरते हुए स्मरण कर रहा है कि-काश आज की मनहूस घडी नहीं आई होती तो जनपद के विकास का पहिया ना ठहरता और न थमता। आज विकास के सद्प्रयाग्रो से निर्मित प्रत्येक संस्थान और प्रतिष्ठान विधवा विलाप कर रहे हैं। आज विकास पुरुष को उनकी पुण्यतिथि पर इस उम्मीद के साथ स्मरण करे कि- वह व्यक्तित्व फिर इस बसुन्धरा पर किसी न किसी रूप में अवतरित हो और जनपद का रुदन और विधवा विलाप समाप्त हो।

मनोज कुमार सिंह प्रवक्ता
बापू स्मारक इंटर कॉलेज दरगाह मऊ

बाढ़ के समक्ष बौनी और असहाय क्यों है हमारी व्यवस्था?

इस साल भी प्रतिवर्ष की भांति बिहार सहित देश के कई राज्य बाढ़ के कहर से त्राहि-त्राहि कर रहे हैं। इन राज्यों के हालातों को देखते हुए ऐसा प्रतीत होता है, जैसे मानूसन के दौरान बाढ़ के कहर को झेलना अब लोगों की नियति बन गया है, जिसे लेकर इन राज्यों के नीति नियंताओं की सेहत पर कोई फर्क नहीं पड़ता। पर्वतीय क्षेत्रों में बीते कुछ दिनों से हो रही लगातार बारिश से विभिन्न नदियों के जलस्तर में वृद्धि हो रही है, जिससे उत्तराखण्ड और उत्तर प्रदेश के कई तटीय इलाके भी बाढ़ की आंशका से सहमे हैं और कुछ इलाके तो जलमग्न भी हो चुके हैं। यह बेहद चिंताजनक स्थिति है कि देशभर में अनेक राज्यों में हर साल कुछ घंटों की लगातार बारिश से ही नदियां और बरसाती नालों में उफान आ जाता है, यहां तक कि देश की राजधानी दिल्ली में भी चंद घंटों की बारिश से ही बाढ़ जैसे हालात बन जाते हैं।

जम्मू कश्मीर, हिमाचल, उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड, महाराष्ट्र, झारखण्ड इत्यादि कई राज्य इन दिनों जल-प्रलय से जूझ रहे हैं। अनेक इलाकों में तो बाढ़ के कारण सड़कों पर आवागमन पूरी तरह ठप्प है। हालात ऐसे हैं कि बिहार के कई इलाकों में तो बाढ़ के कारण सड़कों पर ही नाव चल रही हैं। ग्रामीण आबादी तो बाढ़ के कहर से जूझ ही रही है, शहरी इलाकों की बड़ी आबादी भी इससे परेशान है। बिहार में तो नदियां पूरे उफान पर हैं और भारी बारिश तथा नेपाल से आने वाली नदियों में उफान से उत्तर बिहार के अलावा कोसी, सीमांचल तथा पूर्वी बिहार में स्थिति निरन्तर गंभीर हो रही है लेकिन बिहार प्रशासन दावा करता रहा है कि स्थिति नियंत्रण में है। बाढ़ की बेकाबू होती स्थिति का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि राज्य के हजारों गांव बाढ़ के पानी से लबालब हैं। बाढ़ ने बिहार के 10 जिलों के करीब 60 प्रखण्डों में जमकर कहर बरपाया है और आने वाले दिनों में भारी बारिश के कारण हालात और बदतर हो सकते हैं। आपदा प्रबंधन विभाग के मुताबिक बाढ़ के कारण अब तक कई दर्जन लोगों की मौत हो चुकी है और 80 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं, सैंकड़ों जानवर बाढ़ के पानी में बह चुके हैं। कोविड काल में वैक्सीनेशन के लिए बिहार सरकार द्वारा ह्यटीका वाली नावह्ल तो चलाई गई हैं लेकिन हर साल इसी प्रकार बाढ़ का कहर झेलने को अभिशप्त बिहार की जनता के लिए इस साल भी सरकार द्वारा ऐसे कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए, जिससे मानसून की शुरूआत होते ही ऐसी परिस्थितियां निर्मित ही नहीं होती।

2019 में तो बिहार में दरभंगा और मधुबनी में कमला बलान बांध दर्जनों जगहों से टूट जाने के चलते हालात बद से बदतर हो गए थे। जगह-जगह तटबंधों में बड़ी-बड़ी दरारें आने से बाढ़ की चपेट में आए दरभंगा, मधुबनी, सीतामढ़ी, पूर्वी चम्पारण, सुपौल, शिवहर इत्यादि कई इलाकों में भारी तबाही हुई थी।

पिछले साल भी कमोवेश ऐसे ही हालात थे और तमाम सरकारी दावों की कलई तभी खुल गई थी, जब बिहार के गोपालगंज में 264 करोड़ रुपये की लागत से बने पुल का एक हिस्सा सरकारी निकम्मेपन के कारण ढ़ह गया था। गोपालगंज जिले में बैकुंठपुर के फैजुल्लाहपुर में छपरा-सत्तरघाट मुख्य पथ को जोड़ने वाले उस पुल का निर्माण 2012 में शुरू हुआ था और 16 जून 2020 को ही मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने ऑनलाइन उसका उद्घाटन किया था यानी केवल 29 दिनों में ही 264 करोड़ रुपये पानी में बह गए थे। तब राज्य के तत्कालीन पथ निर्माण मंत्री ने बेहद गैरजिम्मेदाराना बयान देते हुए कहा था कि यह प्राकृतिक आपदा है, जिसमें सड़कें बह जाती हैं और पुल टूट जाते हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार तो हमेशा बिहार में भयानक बाढ़ को प्राकृतिक आपदा बताकर पल्ला झाड़ते रहे हैं। महत्वपूर्ण सवाल यह है कि आखिर प्रतिवर्ष बिहार सहित विभिन्न राज्यों में मानूसन के दौरान ऐसी ही स्थितियां सामने आने के बावजूद समय रहते ऐसे कदम क्यों नहीं उठाए जाते ताकि बाढ़ से जान-माल के खतरे को न्यूनतम किया जा सके? क्यों मानसून बीतते ही सब कुछ भगवान भरोसे छोड़कर समस्त प्रशासनिक अमला अगले मानसून तक चैन की नींद सो जाता है? बाढ़ के कारण हर साल जनजीवन चौपट हो जाता है, लाखों लोग बेघर हो जाते हैं, सैंकड़ों लोग और हजारों पशु मौत की नींद सो जाते हैं लेकिन ऐसे संभावित हालातों से निपटने के लिए सालभर कहीं कोई फिक्र दिखाई नहीं देती। बाढ़ के कारण हर साल हजारों किलोमीटर सड़कें और अनेक पुल क्षतिग्रस्त होते हैं, जिससे देश की अर्थव्यवस्था को अरबों रुपये का नुकसान होता है लेकिन किसी को इसकी परवाह नहीं।

जिस देश जाति में जन्म लिया कर्तव्य मार्ग पर डट जाएं - अनिल

प्रखर जखनियां गाजीपुर। क्षेत्र के माता तेतरा देवी सच्चिदानन्द गर्ल्स डिग्री कालेज अलीपुर मदरा में महाराजा सुहेलदेव राजभर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसके मुख्यअतिथि उ०प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री माननीय अनिल राजभर रहे। सबसे पहले माननीय मुख्य अतिथि महोदय ने डा०श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पं०दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। विचार गोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा की आज हम मंच से राजनीति नहीं अपितु जाति की बातें अपने लोगों से साझा करने आए हैं। केंद्र व राज्य की मोदी और जोगी की सरकार ने राजभर समाज के मान-सम्मान का

जितना ख्याल रखा उतना आजाद भारत में किसी दल या अन्य लोगों ने नहीं रखा। राजभर विरादरी के सिर मौर्य प्रतापी राजा सुहेल देव पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 18वर्ष के सुहेलदेव को गद्दी मिली और देश में उनके शासनकाल में आक्रमण कारियो के छक्के छूट गए।जिसने जिस मुस्लिम शासको दुम दबाने के लिए बाध्य किया आज अपनी ही विरादरी के ठेकेदारों द्वारा राजभर जाति को गुमराह कर अपने स्वार्थ की रोटियां सेकी जा रही है ।जिसके चलते हमारा राजभर समाज विकास की मुख्यधारा से कोसों दूर छूटता चला गया।विरादरी के नेता व राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर की कलई खोलते हुए प्राइवेट लिमिटेड कंपनी बताया। कहा की आज समाज के प्रति किसी फिक्रमंद लगने लगे हैं।और महाराजा सुहेलदेव के स्वाभिमान की बात करने लगे हैं ।चोट करते हुए कहा कि जिस दिन औबैसी के साथ जाकर हमारे महाराजा के दुश्मन गाजी मियां की मजार पर चादर चढ़ाया उस दिन राजा सुहेल देव की आत्मा को लगने वाली चोट का ख्याल नही आया। अभी हाल ही में बसपा से निकाले गए बिरादरी के दिग्गज नेताओं पर प्रहार करते हुए कहा कि आज उन सबको बिरादरी की सुधि और उनके हक और अधिकार के बाद करने लगे हैं।

धरती कहे पुकार के मत रौंदे तू मोय वरना वो दिन आएगा मैं रौंदूंगी तोय

जहां बारिश ने फिलाहाल दुनिया भर में जगह-जगह न केवल पुराने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए वहीं बेतहाशा गर्मी ने भी तमाम जगह तबाही मचाकर भविष्य के लिए बुरे संकेत भी दे दिए। बावजूद इसके इंसानी करतूतों में बदलाव नहीं आना ठीक वैसा ही जैसे आ बैल मुझे मार! मौजूदा आँकड़े और पुराने दस्तावेज बताते हैं कि सूखा और बारिश सृष्टि की रचना के साथ ही प्रकृति के अभिन्न हिस्से जरूर रहे हैं और कहीं बारिश की तबाही तो कहीं सूखे की मार का जिक्र इतिहासों के पुराने पन्नों में भी दर्ज है। लेकिन ऐसा खौफनाक मंजर धरती के इतने बड़े भूभाग पर एक साथ इस कदर दिखा हो याद नहीं आता। सभी को प्रकति के उन इशारों को समझना होगा, चेतना होगा और रू-ब-रू होकर दूरियां बनानी होगी जो मौजूदा हालातों के लिए जिम्मेदार हैं। बीते बरस प्राकृतिक आपदाओं के कारण दुनिया भर में बेघर हुए लोगों की संख्या 10 बरसों में सबसे ज्यादा रही। जहां साढ़े 5 करोड़ लोग अपने ही देशों में विस्थापित हुए वहीं ढ़ाई करोड़ से ज्यादा दूसरे देशों में शरणागत हुए। चीन के हेन्नान में एक हजार साल के रिकॉर्ड में पहली बार इतनी बारिश हुई कि बड़ी संख्या में लोग मारे गए, सड़कों पर हफ्तों पानी भरा रहा। यूरोप में दो दिन में ही इतना पानी बरसा जितना दो महीने में बरसता है। नदियों के तट टूट गए। पानी गांवों और शहरों में जा घुस और हजारों घर, दूकान, दफ्तर, अस्पताल सब पानी-पानी हो गए। जर्मनी और बेल्जियम में सैकड़ों मौतें हो गई। सदियों पुराने बसे और आबाद गांव एक ही रात में बह गए। भारत में भी महाराष्ट्र, उप्र, उत्तराखण्ड, हिमाचल, जम्मू-कश्मीर, मप्र, बिहार, झारखण्ड प.बंगाल, सहित दक्षिणी राज्यों कुल मिलाकर पूरे देश का काफी बुरा हाल है। हर कहीं बारिश की तबाही की नई और खौफनाक तस्वीरें काफी डराती हैं। तबाही की वजह केवल बारिश और बाढ़ ही हो ऐसा नहीं है। अमेरिका के वाशिंगटन और कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया में हीट डोम बनने के चलते हवा एक जगह फंसी रह गई जिससे तापमान 49.6 डिग्री सेल्सियस तक जा पहुंचा। वहीं अमेरिका के ऑरेगन के जंगल में लगी आग ने दो हफ्ते में ही लॉस एंजेलेस जितना इलाका जलाकर राख कर दिया। अंदाजा ही काफी है कि पर्यावरण को कितना जबरदस्त नुकसान हुआ होगा। बरसों बरस रहे हरे-भरे जंगल का क्षेत्र वीरान रेगिस्तान में तब्दील हो गया। इतनी ही नहीं यहां के सुलगते जंगलों की जलती लकड़ी का धुंआ न्यूयार्क के लोगों की सांसों पर अलग भारी पड़ रहा है। ब्राजील का मध्यवर्ती इलाका शताब्दी का सबसे बुरा सूखा झेल रहा है। जंगलों की आग से जहां चारों ओर खतरा तो बढ़ा ही वहीं अब अमेजन के जंगलों पर भी अस्तित्व समाप्ति का संकट सामने है। इतना तो पता है जो भी कुछ हो रहा है महज जलवायु पर संकट के चलते हो रहे परिवर्तन के कारण ही है।

आखिर जलवायु परिवर्तन है क्या? यह समझना अभी भी कई लोगों के लिए थोड़ा आसान नहीं है। बिना लाग लपेट इसे इस तरह समझा जा सकता है कि दुनिया में औद्योगिक क्रान्ति की शुरूआत 1850 से 1900 के बीच हुई। उस वक्त धरती का जितना तापमान था उसे ही मानक इकाई मानकर स्थिर रखना है ताकि पर्यवारण भी स्थिर रहे। लेकिन ऐसा हो नहीं सका।

जिस तरह से पर्यावरण को ताक में रखकर बेतहाशा प्रदूषण फैलाया गया उससे पृथ्वी का तापमान निरंतर बढ़ रहा है जो जल्द ही 1.5 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ सकता है। बस यही बढ़ता तापमान प्रकृति की सेहत पर बुरी तरह से भारी पड़ रहा है। बारिश और गर्मी के चलते हो रही प्राकृतिक आपदाओं की वजह भी यही तापमान वृध्दि है। इसे काबू में रखने की कवायद पूरी दुनिया को ईमानदारी से करनी होगी। हालाकि यह वृध्दि सरसरी तौर पर तो मामूली लगती है। लेकिन ऐसा नहीं है। जिस तरह मानव शरीर का सामान्य तापमान लगभग 98.6 डिग्री फैरेनहाइट यानी 37 डिग्री सेल्सियस होता है। जिसके थोड़ा ही बढ़ते तबियत खराब लगने लगती है, शरीर असहज लगने लगता है और 101-102 डिग्री फैरेनहाइट होते-होते शारीरिक क्षमताएं बुरी तरह से असामान्य होने लगती हैं। तमाम व्याधियां व पीड़ाएं घेर लेती हैं। ठीक वैसा ही पृथ्वी के साथ है। इसलिए पूरी दुनिया का ध्यान इसी 1.5 डिग्री सेल्सियस को बढ़ने से पहले ही नियंत्रित कर लेने पर है। औद्योगिकीरण व शहरीकरण के चलते ग्रीन हाउस गैसें जैसे कार्बन डाईऑक्साइड, मीथेन, नाइट्रस ऑक्साइड, हैलोकार्बन आदि ही जलवायु परिवर्तन के कारण हैं। इनसे वायुमंडल का तापमान लगातार बढ़ रहा है। ग्रीन हाउस गैसों की भूमिका भी खास है जो इंसान की देन है। आंकड़े बताते हैं कि 10 बरसों में दुनिया भर में जीवाश्म ईधन यानी लगभग 65 करोड़ वर्ष पूर्व जीवों के जल कर उच्च दाब और ताप में दबने से बना प्राकृतिक ईंधन जो अब कोयला, पेट्रोल, डीजल, मिट्टी का तेल आदि के रूप में है, भी बड़ा कारण है। इनका उपयोग बिजली घरों, वाहन चलाने, खाना पकाने, रोशनी फैलाने में किया जाता है जो बड़े पैमाने पर वायुमण्डल में रोजाना और हर पल प्रदूषण फैलाता है और धरती का तापमान बढ़ाता है। जीवाश्म ईधन व दूसरी औद्योगिक प्रक्रियाओं के कारण दुनिया भर में कार्बन डाईऑक्साइड के उत्सर्जन में 4,578.35 मिलियन मीट्रिक टन की वृद्धि हुई है। इससे वायुमंडल गर्म हो रहा है और यही ग्लोबल वार्मिंग का कारण है। यही जलस्रोत, ग्लेशियर, जैव विविधता के साथ कृषि उत्पादकता और मानव जीवन प्रभावित कर रहा है। धरती पर तापमान बढ़ने का सिलसिला ऐसा ही रहा तो सन् 2030 से 2052 तक धरती के तापमान में 1.5 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हो जाएगी। जो कहीं न कहीं पृथ्वी के पर्यावरण पर अत्याधिक प्रतिकूल होगा। शोधकताओं के अनुसार वाहनों और उद्योगों से निकलने वाले कॉर्बन डाईऑक्साइड से पादप और फंफूदी के पराग, बीजाणु के उत्पादन को बढ़ावा मिलता है। यही हवा के माध्यम से मानव शरीर में पहुंच कर अस्थमा, राइनाइटिस, सीओपीडी, स्किन कैंसर एवं अन्य एलर्जी जैसे घातक बीमारियों को जन्म देते हैं। ग्रीन हाउस गैसें कितनी घातक हैं समझा जा सकता है। इसको लेकर दुनिया भर में लगातार बैठकें और विचार विमर्श होता रहता है। बावजूद इसके कुछ खास हासिल नहीं हो सका। अब इस दिशा में आशा की एक किरण जरूर दिख रही है।

आपदा के समय एनजीओ/जन-भागीदारी पर सेमिनार

प्रखर नई दिल्ली : जनपथ स्थित होटल ली मेरेडियन में सीएसआर रीसर्च फाउंडेशन एवं भारत विकास परिषद् संयुक्त तत्वधान में कोरोना जैसी भयानक आपदा से साहस पूर्वक लड़कर उबरते भारत में एक दिन का विशेष कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया, जो अपने आप में प्रेरणादायक और भविष्य में किसी भी तरह की आपदा से लड़ने के लिए दृढ़ संकल्प के साथ देश को जागरूक करने से सम्बंधित था. कोरोना काल से उत्पन्न निराशा को दूर कर लोगों में उत्साह भरने की दिशा में यह अनूठा कार्यक्रम था. इस कार्यक्रम में लगभग 100 लोगों ने अपनी भागीदारी दी और कार्यक्रम से लाभान्वित हुए. केंद्रीय पर्यावरण, वन व जलवायु, उपभोक्ता, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण राज्य मंत्री श्री अश्वनी कुमार चौबे ने सुबह के साढ़े दस बजे कार्यक्रम का उद्घाटन किया. विशेष अतिथि के तौर पर इस कार्यक्रम में केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री श्री रामदास अठावले, केंद्रीय इस्पात एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री श्री फग्गन सिंह कुलस्ते, केंद्रीय आवास एवं शहरी राज्य मंत्री श्री कौशल किशोर, भारत सरकार के पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री नागमणीजी,

सांसद धर्मवीर सिंह, सांसदसंजय भाटिया, पूर्व सांसद राजेश कुमार मांझी उपस्थित थे. कार्यक्रम शाम के पांच बजे तक चला. कार्यक्रम के मुख्य संयोजक सीएसआर रीसर्च फाउंडेशन के चेयरमैन सीए श्री दीनदयाल अग्रवाल ने सभी अतिथियों का स्वागत एवं आभार व्यक्त किया. उद्घाटन सत्र में मंच पर भारत विकास परिषद् के संगठन सचिव श्री सुरेश जैन, आइआइएफसीएल के चेयरमैन पीआर जय शंकर, सीएसआर रीसर्च फाउंडेशन के चेयरमैन सीए श्री दीनदयाल अग्रवाल, बैंक ऑफ महाराष्ट्रा के पूर्व निदेशक, यूआरएस वेरिफिकेशन प्रा0 लिमिटेड (नॉलेज पार्टनर) से श्री अंकुर संघल, चाणक्य वार्ता के संपादक डा0 अमित जैन, सीएसआर रीसर्च फाउंडेशन के सचिव श्री ललित अरोरा उपस्थित थे. इस सत्र में मंच का संचालन सीए राजेंद्र अरोरा ने किया, जबकि अंकुर संघल ने उपस्थित सभी लोगों को धन्यवाद देते हुए आभार जताया. लगभग सभी वक्ताओं का मत था कि कोरोना का आक्रमण हमारे स्वास्थ्य एवं व्यवस्था के अलावे हमारी सोच और संस्कृति पर भी था. यद्दिप प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार ने एक लम्बी और कुशल लड़ाई लड़ी है. सेल जैसी अनेक सार्वजनिक उपक्रमों ने ऑक्सीजन (प्राणवायु), दवाइयां, बीएड आदि की व्यवस्था करने में भरपूर सहयोग दिया है. देश ने बहुत ही साहस एवं सुझबूझ से इस संकट को सम्हालने का प्रयास किया. लेकिन आपदा बड़ी और साधन कम थे. स्पष्टतः इस आपदा ने हमें सोचने एवं भविष्य के लिए सजगता के साथ तैयारी करने की चेतावनी भी दी. इसी चेतावनी को ध्यान में रखते हुए हमने एनजीओ द्वारा सीएसआर के तहत भविष्य में बड़ी भागीदारी के लिए तैयार करने का निर्णय लिया है ताकि संकट काल में एक व्यापक जन भागीदारी सुनिश्चित किया जा सके. कार्यक्रम में उपस्थित अन्य प्रमुख लोगों में गुरुग्राम के कमिश्नर श्री राजीव रंजन (आईएएस), पूर्व कंट्रोलर, जनरल ऑफ अकाउंट श्री जी. पी. गुप्ता, बैंक ऑफ इंडिया के पूर्व निदेशक श्री बेनी थापर, टेक्नोक्रेट श्री पंकज सौम्य चतुर्वेदी, टीएफसीआई के चेयरमैन श्री एस. रवि, ओएनजीसी के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर अजय दीक्षित, ओआईएल के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर अशोक दास, बीपीसीएल के जीएम पुनीत गुप्ता, ओएनजीसी के पूर्व निदेशक श्री बी.पी. माहवार, अग्रवाल पैकर्स एंड मूवर्स लिमिटेड के रमेश अग्रवाल, सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता श्री अनुराग ओझा, लेडी हार्डिंग के एचओडी (दन्त चिकित्सा) डॉ0 परवेश मेहरा, सामाजिक कार्यकर्ता राजकुमार भाटिया आदि उपस्थित थे.

कच्ची दीवार गिरने से मृत परिजन को मिली आर्थिक सहायता

प्रखर पिंडरा वाराणसी। पिण्डरा विधानसभा के ग्राम सभा अकोढ़ा में 5 दिन पूर्व अतिवृष्टि के कारण कच्चे मकान की दीवार

गिरने से दो लोगो की मृत्यु होने के पश्चात शुक्रवार को शासन के द्वारा स्वीकृति मिलने दोनों पीड़ित परिवार को 4-4 लाख की आपदा राहत की धनराशि बैंक खाते में उपलब्ध करा दी गई। जिसका प्रमाण पत्र विधायक डॉ अवधेश सिंह द्वारा पीड़ित के घर अधिकारियों के साथ जाकर दिया। विदित हो कच्ची दीवार गिरने से संजय सिंह 45 वर्ष और शिवम सिंह 13 वर्ष की मौत हो गई थी। मृतक संजय किसान थे इसलिए कृषक दुर्घटना बीमा के तहत 5 लाख रुपए की धनराशि भी दी जाएगी। इस दौरान एसडीएम गिरीश कुमार द्विवेदी, तहसीलदार रामनाथ, पूर्व ब्लाक प्रमुख सत्येंद्र सिंह, जिलाउपाध्यक्ष पवन सिंह, अरबिंद सिंह, संजय पाण्डेय,अनिल चौबे,बबलू मिश्रा ,नवीन सिंह पिंटू, विजय सिंह, विकेश सिंह, अभिषेक राजपूत,अतुल रावत , अनुज सिंह,अवधेश लल्ला समेत अनेक लोग रहे।

संक्षिप्त खबरें

छात्र संघ महोत्सव में शिरकत करेंगे सपा प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल - विष्णु शर्मा

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं विधान परिषद सदस्य श्री नरेश उत्तम पटेल का वाराणसी आगमन प्रस्तावित है। महानगर अध्यक्ष विष्णु शर्मा ने बताया कि दिनांक 10.08.2021 को काशी विद्यापीठ विश्वविद्यालय वाराणसी के नव निर्वाचित छात्र संघ अध्यक्ष विमलेश यादव के द्वारा छात्र संघ महोत्सव का कार्यक्रम विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित किया गया है । उक्त महोत्सव में समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं सदस्य विधान परिषद नरेश उत्तम पटेल मुख्य अतिथि के रूप में अपरान्ह 12.30 बजे भाग लेगे।

पश्चिम दिल्ली में नाबालिग दलित बेटी की बलात्कार व की गयी हत्या बिटिया को न्याय के लिए सरकार के विरोध में कांग्रेस ने निकाला कैंडल मार्च

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। पश्चिम दिल्ली में नाबालिग 9 वर्षीय दलित बेटी के साथ बलात्कार के बाद हत्या बिटिया को न्याय के लिए सरकार के विरोध में महानगर कांग्रेस कमेटी,वाराणसी के तत्वाधान में एक कैंडिल मार्च निकाला गया। महानगर कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में पूर्व विधायक अजय राय के उपस्थिति में पंचदेव महादेव मंदिर (प्रह्लाद घाट से रविदास मंदिर (भैंसासुर घाट)तक कैंडिल मार्च हुआ। जिसमें सरकार के खिलाफ कांग्रेसजनों ने कड़ा विरोध दर्ज कराते हुए दोषियों को फांसी के सजा की मांग की व दो मिनट का मौन रखकर बिटिया को श्रद्धांजलि दिया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूर्व विधायक अजय राय उपस्थिति रहे। कार्यक्रम का अध्यक्षता महानगर अध्यक्ष राघवेंद्र चौबे ने किया। पूर्व विधायक अजय राय ने कहा की 9 साल की दलित बेटी के साथ बर्बरता और जबरिया उसका अंतिम संस्कार केंद्र सरकार की कानून व्यवस्था पर प्रश्न चिन्ह है।हमारे नेता श्री राहुल गाँधी जी ने पीड़ित परिजनों से मुलाकात की और भरोसा दिलाया कि वे अन्याय के खिलाफ अड़े हैं और न्याय के लिए उनके साथ खड़े है।पूरी पार्टी पीड़ित परिजनों के साथ केंद्र की भाजपा सरकार हो या उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार दिल्ली हो या यूपी बहन, बेटियां सुरक्षित नही है।महिला सुरक्षा के नाम पर केंद्र-प्रदेश सरकार विफल है हर रोज महिलाओं के प्रति हैवानियत भरी खबरों से समाचार पत्र पटा रहता है।परंतु सरकारों को इन मुद्दों से कोई सरोकार नही है।महिला सुरक्षा के नाम पर बड़ा बड़ा दावा करने वाली यह सरकार महिला सुरक्षा के मोर्चे पर विफल है।

नगर कांग्रेस कमेटी रामनगर ने निकाला कैंडल मार्च

प्रखर पूर्वांचल वाराणसी। नगर कांग्रेस कमेटी रामनगर अध्यक्ष शमशाद खान के नेतृत्व में दिल्ली में 9 वर्ष नाबालिग बच्ची के साथ हुए अत्याचार के खिलाफ काँग्रेस कार्यकर्ताओ ने कैंडल मार्च निकालकर प्रशासन से न्याय दिलाने की मांग की।कैंडल मार्च में नगर काँग्रेस कमेटी रामनगर के पूर्व महामंत्री विपिन सिंह के साथ नगर के काँग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

डायट प्राचार्य ने किया स्कूलों का निरीक्षण

प्रखर पिंडरा वाराणसी। प्राथमिक विद्यालय फूलपुर व सैरागोपालपुर निरीक्षण शुक्रवार को जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के प्राचार्य उमेश कुमार शुक्ला द्वारा मोहल्ला क्लास विद्यालय व मिशन प्रेरणा के अंतर्गत मूल्यांकन और निरीक्षण किया गया । इस क्रम में प्राचार्य ने मोहल्ला क्लास में उपस्थित बच्चों से कक्षावार प्रेरणा लक्ष्य को देखते हुए भाषा एवं गणित के बिंदुओं से संबंधित बच्चों के अधिगम स्तर को जानने के लिए प्रश्न किया। जिसका यथोचित उत्तर पाकर उन्होंने बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए नगद पुरस्कार भी प्रदान किया। इस अवसर पर गत वर्ष के राज्य पुरस्कार प्राप्त शिक्षक शैलेन्द्र विक्रम सिंह भी उपस्थित रहे। प्रधानाध्यापक डॉ कुँवर पंकज सिंह ने प्राचार्य व अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस दौरान विद्यालय के शिक्षकगण उपस्थित रहे।

साहबराम गोला स्थित हनुमान मंदिर से हुई दान पात्र की चोरी

प्रखर चुनार मिजार्पुर। नगर के साहब राम गोला स्थित हनुमान मंदिर से चोरों ने मंदिर में रखे दान पात्र को चुरा कर उसमें रखा पैसा निकाल लिया स्थानीय लोगों की माने तो आज सुबह जब लोग हनुमान मंदिर में प्रवेश किए तो मंदिर में रखा दान पत्र जो एक लोहे की सिकड़ी के सहारे बांधा गया था टूटा हुआ मिला एवं दानपात्र नदारद था वहां के स्थानीय लोगों ने दान पात्र को खोजना शुरू किया तो मंदिर परिसर के बगल में कुछ ही दूरी पर खेत में यह दानपात्र पड़ा हुआ मिला जिसमें रुपए नदारद थे स्थानीय लोगों में संजय कुमार खरवार एवं कल्लू साव के अनुसार दानपात्र जो लोहे की सिकड़ी से बंधा था उसे किसी कटिंग औजार से काटकर चोर उठा ले गए फिलहाल यहां मंदिर में कोई पुजारी नहीं रहते हैं अंतिम समाचार तक अभी स्थानीय लोगों द्वारा पुलिस प्रशासन को सूचना नहीं दी गई थी स्थानीय लोगों में काजू , हरेंद्र भी उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के अंतर्गत निशुल्क राशन का वितरण

प्रखर चुनार मिजार्पुर । नगर में आज प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के अंतर्गत निशुल्क राशन का वितरण किया गया जिसमें प्रत्येक यूनिट 5 किलो राशन के हिसाब से निशुल्क राशन का वितरण किया गया आज नगर के विभिन्न वितरण स्टोरों राशन पाने के लिए लोग उत्साह पूर्वक घरों से निकले और राशन पर पाकर बहुत ही प्रसन्न दिखे चुनार स्थित भरपूर सीसी स्टोर पर भी लोग कतार बंद हो करके निशुल्क राशन प्राप्त के लिए काफी उत्साहित दिखे वहां के कोटेदार नंदलाल यादव एवम भरपुर के सभासद गौतम मौर्य की उपस्थिति में लोगों को राशन का वितरण किया गया।

राजातालाब तहसीलदार व वकीलों के बीच हुई वार्ता

प्रखर मिजार्मुराद वाराणसी। राजातालाब तहसील में तहसीलदार व वकीलों के बीच एक सप्ताह से चल रहे विवाद को लेकर शुक्रवार को भी वकील न्यायिक कार्य से विरत रहे।हालांकि इस प्रकरण को खत्म करने हेतु दोनो पक्षो के बीच वार्ता हुई।गठित कमेटी द्वारा तहसीलदार से हुई वार्ता को सदन के समक्ष रखा जाएगा।सदन ही हड़ताल पर निर्णय लेगा। दी तहसील बार एसोसिएशन के अध्यक्ष दिनेश शर्मा व महामंत्री नन्दकिशोर सिंह पटेल के नेतृत्व में वकील विवेक कुमार त्रिपाठी संग हुए दुर्व्यवहार के मामले को लेकर अधिवक्तागण विगत 30 जुलाई से न्यायिक कार्य का बहिष्कार कर प्रदर्शन कर रहे हैं।इस प्रकरण को लेकर मंगलवार को अधिवक्ताओं का प्रतिनिधिमंडल जिलाधिकारी से भी मिला था।तहसीलदार द्वारा शुक्रवार को उक्त प्रकरण में वार्ता करने व जनमानस/वादकारियो के हित में न्यायालय प्रक्रिया को संचालित करने हेतु तहसील बार एसोसिएशन को पत्र भेजा गया।वकीलों की ओर से वार्ता हेतु कमेटी गठित की गई।दोनो पक्षो के बीच आरोप-प्रत्यारोप को दूर करने हेतु बातचीत हुई। तहसीलदार मीनाक्षी पांडेय संग वार्ता में पूर्व अध्यक्ष सुनील सिंह, सर्वजीत भारद्वाज, छेदीलाल यादव व महामंत्री नन्दकिशोर सिंह पटेल शामिल रहे।महामंत्री ने बताया कि तहसीलदार से हुई वार्ता को बार एसोसिएशन के सदन में रखा जाएगा।हड़ताल की समाप्ति हेतु सदन ही निर्णय लेगा।

मुद्दाविहीन विपक्ष सत्ता की छटपटाहट में कर रहा अनर्गल प्रलाप

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। सत्ता की छटपटाहट मे आज सारा विपक्ष गाली गलौज की राजनीति कर जनता के हितो के साथ खिलवाड़ कर रहा है, और मुद्दे की राजनीति से आंखे मोड रहा है, यह बाते प्रदेश सरकार मे उर्जा राज्य मंत्री रमाशंकरसिंह पटेल ने भाजपा अहरौरा मंडल कार्यसमिति की बैठक मे कार्यकताओं को संबोधित करते हुये कही, उर्जा राज्य मंत्री ने कहा कि एक समय हुआ करता था जब जनता के हितो के लिए लडाई लडते हुये विपक्षी दल बेसिक मुद्दो को लेकर सड़क पर उतरते थे और प्राथमिक नारा यह हुआ करता था कि "बिजली पानी दे न सके जो वह सरकार निकम्मी है" योगी जी की भाजपा सरकार ने आज समूचे विपक्ष से यह नारा भी छीन लिया, आज पूरे प्रदेश में ग्रामीण क्षेत्रों तक मे अठारह घंटे तक की निर्बाध विद्युत आपूर्ति और सरकार की हर घर नल से जल योजना ने सारे विपक्ष को मुद्दाविहीन कर दिया है, भाजपा कार्यकताओं के समक्ष सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुये श्री पटेल ने कहा कि आज पूरे प्रदेश का बहुआयामी विकास हुआ है चाहे वह

सडके हो या फिर गांव गरीब किसान हर क्षेत्र मे सरकार ने बेहतरीन काम किया है आप इसके पहले की सरकारो की तुलना जब चार साल के योगी जी के सरकार से करेंगे तो पायेंगे कि आज प्रदेश दूसरे सरकारो की तुलना मे बहुत ही आगे है, अपराधी और माफिया भागते फिर रहे हैं भ्रष्टाचार का कही नामोनिशान नही है और सबसे बड़ी बात गांव गरीब किसान खुशहाल है उन्होने कार्यकताओं का आवाहन किया कि आप सभी जनमानस के बीच जाये और दूसरे दलो की तुलना मे अपने सरकार की उपलब्धियां जनता को बताये निश्चित रूप से आने वाले चुनाव में भाजपा प्रचंड बहुमत के साथ वापसी करेगी ऐसा हमको अपने सरकार के उपलब्धि पर विश्वास है, इससे पूर्व जिला महामंत्री हरिशंकर सिंह पटेल जिला उपाध्यक्ष दिनेश प्रताप सिंह और मंडल प्रभारी इंजीनियर राजबहादुर सिंह ने कार्यकताओं को सांगठनिक पाठ पढाया, अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष महेन्द्र सिंह ने किया।

सपा में हुआ फेरबदल महाराष्ट्र पालघर अध्यक्ष बने रहेंगे कैलाश यादव

प्रखर मुम्बई। महाराष्ट्र अध्यक्ष अबू असीम आजमी और उपाध्यक्ष राजीव रतन मिश्रा जी उपस्थित में हुआ फेर बदल। पालघर जिला अध्यक्ष कैलाश यादव ने बहुत अच्छा कार्य किया प्रदेश उपाध्यक्ष राजीव रतन मिश्रा का कहना उनको जिलाध्यक्ष यथावत बरकरार रखा ।

सपा की टीम के आग्रह पर आजमी ने नियुक्ति पत्र देकर सब को बधाई दी ।इस अवसर पर पार्टी के ,समाजवादी पार्टी महाराष्ट्र अध्यक्ष आमदार माननीय श्री आबू असीम आजमी साहब के आदेश पर पालघर जिले के बोइसर विधानसभा में एक विशेष मीटिंग का आयोजन किया गया इसमें सैकड़ों की संख्या में लोग समाजवादी पार्टी से जुड़े। इस अवसर पर जुल्फिकार अहमद आजमी (महासचिव मुंबई महाराष्ट्र), जैद खान (सचिव मुंबई प्रदेश), कैलाश नाथ यादव (जिला अध्यक्ष पालघर), इस प्रोग्राम के आयोजक खुर्शीद वारसी और भारी संख्या में समाजवादी पार्टी के समर्थक मौजूद थे। आने वाले महानगर पालिका में भी सपा की अहम भूमिका रहेगी और

चुनाव ने बढ़त करते हुए अच्छी सीट निकालेंगे और मिश्रा जी और पालघर अध्यक्ष कैलाश यादव ने कहा कि पार्टी को मजबूत करने के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे । उन्होंने आगे कहा कि आजमी के मार्गदर्शन में पार्टी का जनाधार बढाने और पार्टी की नीतियों को आम जन तक पहुंचाने के लिए भरपूर कोशिश करेंगे प्रदेश सरकार में अपना अहम रोल अदा करेंगे मजूबत इरादों के साथ पूरे महाराष्ट्र में अहम भूमिका में अखिलेश यादव और पार्टी के विचार धारा पर काम करेंगे।।

सैनिक के घर वापसी पर गांव के लोगो ने मनाई खुशियां

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। ग्राम खानजादीपुर। आर्मी जवान सेवानिवृत्त होकर जब अपने गांव वापस पहुंचे तो गांव के लोगों ने बताया कि हमारे गांव का नाम काफी रोशन हुआ गांव के लोगों ने जवान का नाम बताएं अनिल कुमार सिंह पुत्र लालजी सिंह वहीं पर आर्मी जवान अनिल कुमार सिंह का कहना है कि मैं देश का सेवा किया और अपना पूरा ड्यूटी पूरी ईमानदारी के साथ निभा कर मैं अपने हरे भरे गांव में वापस लौटा उन्होंने यह भी बताया कि मेरा गांव काफी सुंदर है काफी अच्छा है मैं देश को बधाई देता हूं और अपने क्षेत्र के अपने गांव के लोगों को बस यही संदेश देना चाहता हूं कि हमारे क्षेत्र के बच्चे और भी आर्मी में भर्ती हूं और अपने देश अपने गांव अपने जिला का नाम रोशन करें वहीं पर उनके भाई बाबू नंदन सिंह का कहना है कि हमारे भैया पूरी ईमानदारी के साथ देश के लिए सेवा किए वहीं पर छोटे भाई गुड्डू सिंह का कहना है कि हमारे भैया पर हम लोगों को नाज है और भारत देश पर पूरा गर्व है मेरा भारत महान कहते हुए उन्होंने अपने वाणी को विराम दिया।

जातिगत जनगणना के मुद्दे पर जनसंवाद संपन्न

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। जातिगत जनगणना के मुद्दे पर जन संवाद का आयोजन तहसील सदर के सभागार में किया गया। जनसंवाद को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि जातिगत जनगणना न कराना सरकारों की मनुवादी मानसिकता को प्रदर्शित करता है ,जब जनगणना वर्ष आता है सरकार कोई अन्य मुद्दा खड़ा कर जातिगत जनगणना के सवाल को पीछे धकेल देती हैं। 1931 के बाद से आज तक पिछड़ों की जातिगत जनगणना नहीं हुई ,1941 में द्वितीय विश्वयुद्ध दौर था ,1951 में देश की आजादी के बाद पिछड़ों की जातिगत जनगणना होनी थी, सरकार ने आजादी व गणतंत्र मे पिछड़ों को भुलवा दिया ,1961 में जनगणना होनी थी तो 1962 का युद्ध ला दिया, 1971 में बांग्लादेश प्रकरण आ गया, 1981 में इमरजेंसी के बाद का दौर था, 1991 से पहले मंडल कमीशन के बाद कमंडल ला दिया, 2001 में गोधरा कांड हुआ । 2011 में इंडिया अगेंस्ट करप्शन के नाम पर भुलवाया गया , संसद में बहस के बाद जातिगत जनगणना के लिए सरकार तैयार भी हुई जातिगत जनगणना भी कराया लेकिन उसको सार्वजनिक नहीं किया वह भी ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। 2021 से पहले किसान कानून, सीए एनआरसी, मजदूर कानून, सहित तमाम जन विरोधी कानून लाए गए और सरकारी संपत्तियों व संस्थानों का निजीकरण कर देश को गुमराह कर जातिगत जनगणना से ध्यान भटकाने का प्रयास हो रहा है, इसके बावजूद जब मांग की गई तो सरकार ने संसद में स्पष्ट तौर पर कहा कि वह पिछड़ों का अलग से जातिगत जनगणना नहीं कराएगी इससे सरकार की मनुवादी व ब्राह्मणवादी सोच पर परिलक्षित होती है। साथ ही साथ विपक्षी पार्टियां जिन्हें संसद से लेकर सड़क तक आंदोलन करना चाहिए वे मीडिया, संसद व विधानसभाओं में बयान तक ही सीमित है। ऐसे में विपक्षी पार्टियों को यह लगता है कि वे मनुवादी, सामंतवादी, पूंजीवादी ताकतों को नाराज कर सत्ता में नहीं आ सकते, इसलिए वह भी सत्ता की लालच में इस मुद्दे पर संघर्ष व आंदोलन में नहीं आ रहे हैं। ऐसे में हम सभी अधिवक्ताओं, सामाजिक व राजनीतिक संगठन के साथियों की यह जिम्मेदारी है कि सरकार के साथ-साथ विपक्ष पर भी दबाव बनाकर जातिगत जनगणना को लागू करवाया जाए।

जनेश्वर मिश्र की जयंती पर सपा ने भाजपा की जन विरोधी नीतियों को साइकिल यात्रा के माध्यम से पहुंचाया जन जन तक

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। समाजवादी आंदोलन के प्रखर नेता जनेश्वर मिश्र के 89 वी जयंती पर सपाईयो ने विभिन्न क्षेत्रो मे जमकर साइकिल चलाया । सपाई सुबह से ही अपने अपने वार्डो व विधान सभा मे साइकिल चलाते हुए हजारों की संख्या मे शास्त्री घाट पहुंचे । महानगर समाजवादी पार्टी के तत्वावधान मे सपा कार्यकर्ता शास्त्री घाट पर उनके तैल चित्र पर मुख्य अतिथि विधायक व पूर्व मंत्री उज्जवल रमण सिंह एवं समाजवादी कार्यकताओं नेताओं ने पुष्पांजलि अर्पित किया तत्पश्चात साइकिल यात्रा को मुख्य अतिथि विधायक श्री उज्जवल रमण सिंह व महानगर अध्यक्ष विष्णु शर्मा ने झंडी दिखाकर तहसील के लिए रवाना किया।

शास्त्री घाट से शुरू हुई साइकिल यात्रा का नेतृत्व महानगर अध्यक्ष विष्णु शर्मा ने किया। साइकिल यात्रा के शुरू होने के पहले शास्त्री घाट पर पुलिस बल तैनात कर दिया गया था। पुलिस उपायुक्त कैन्ट स्वयं कमान संभाले हुए थे। जनेश्वर मिश्रा के चित्र पर साइकिल यात्रा के महानगर के प्रभारी के रूप मे पूर्व मंत्री व सपा विधायक उज्जवल रमण सिंह ने जनेश्वर मिश्र जी के तैल चित्र पर पुष्प अर्पित किया। सपा महानगर विष्णु शर्मा ने साफा बांधकर व माल्यार्पण करने के पश्चात साईकिल यात्रा को सपा विधायक उज्जवल रमण सिंह ने हरी झंडी दिखाई व सपा महानगर अध्यक्ष विष्णु शर्मा पूर्व विधायक अविनाश कुशवाहा महानगर महासचिव जितेंद्र यादव के साथ साइकिल चलाते हुए तहसील पर पहुंचे । समाजवादी पार्टी के महानगर अध्यक्ष विष्णु शर्मा ने बताया कि छोटे लोहिया जनेश्वर मिश्र समाजवादी पार्टी के एक आधार स्तंभ थे। समाजवादी विचारधारा के प्रति उनके दृढ निष्ठा के कारण वे 'छोटे लोहिया' के नाम से प्रसिद्ध थे। महानगर महासचिव जितेन्द्र यादव ने बताया कि आज छोटे लोहिया जनेश्वर मिश्र की जयंती पर "सामाजिक साइकिल यात्रा" का आयोजन राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव जी के निर्देश पर वाराणसी जनपद में तहसील स्तर पर " समाजवादी साइकिल यात्रा" निकाली गई है । यह साइकिल यात्रा 5 से 10 किलोमीटर तक सपा कार्यकर्ताओ ने चलाया । पूर्व मंत्री मनोज राय धूपचंडी व पूर्व विधायक अब्दुल समद अंसारी ने कहा कि महंगाई, किसानों पर काले कृषि कानूनों की मार, बेरोजगारी से बेहाल नौजवान, आरक्षण पर "संघी प्रहार", चरम पर अपराध और भ्रष्टाचार, और भाजपा की "डबल इंजन" सरकार तथा महिलाओं की शोषणकारी नीतियों तथा लोकतंत्र विरोधी भाजपा

सरकार के खिलाफ साइकिल यात्रा निकाली गई है। पूर्व प्रदेश सचिव डॉ ओपी सिंह ने कहा कि भाजपा सरकार के पांच वर्ष पूरे होने को हैं लेकिन इस पूरी अवधि में विकास तो कहीं दिखा नहीं हर तरफ तबाही ही दिखाई दी हैं उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने समय और संसाधन का दुरूपयोग करके लोकतंत्र की धज्जियां उड़ाई है। विधायक व पूर्व मंत्री श्री उज्जवल रमण सिंह ने कहा कि भाजपा ने राजनीति की गरिमा को बहुत क्षति पहुंचाई है। झूठ और पाखण्ड के सहारे उसने वैचारिक प्रदूषण फैलाया है। बुनियादी मुद्दों से मुंह चुराकर जनता को बरगलाने का काम हो रहा है। विकास के नाम पर भाजपा सरकार ने एक ईंट नहीं रखी। समाजवादी पार्टी के कामों को ही अपना काम बताकर अपने दिन बिताए है। ऐसी कोई सरकार नहीं दिखी है जिसके समय उत्तर प्रदेश प्रगति की ओर बढ़ने के बजाय उल्टी दिशा में पिछड़ता गया हो। समाजवादी पार्टी ने साइकिल यात्रा के माध्यम से अन्याय के खिलाफ संघर्ष का निर्णय किया है। साइकिल यात्रा का उद्देश्य मोहम्मद आजम खां को फर्जी मुकदमों में फंसाकर जेल में रखने, चरम पर अपराध और भ्रष्टाचार, बेलगाम मंहगाई, किसानों पर लगाये गए तीन काले कृषि कानूनों की मार, बेरोजगारी से बेहाल नौजवान, महिला उत्पीड़न, आरक्षण पर संघी प्रहार, जिला पंचायत में धांधली के कारण लोकतंत्र पर खतरा और चैपट स्वास्थ्य व्यवस्था के कारण कोरोना से हुई मौतों के खिलाफ जनरोष दर्ज करना है। साइकिल यात्रा वाराणसी शहर के विभिन्न क्षेत्रों विधानसभा वार्ड से होकर जनता के बीच भ्रमण करते वरुणापुल स्तिथ शास्त्री घाट पर एकत्रित हुआ वहाँ विधायक व पूर्व मंत्री श्री उज्जवल रमण सिंह ने हरी झंडी दिखाकर साईकिल यात्रा को रवाना किया। साइकिल यात्रा निकालने वालों में उत्तरी अध्यक्ष अजय चौधरी , दक्षिणी अध्यक्ष शमीम अंसारी , कैन्ट विधानसभा अध्यक्ष दिलीप कश्यप के नेतृत्व मे जगह जगह से साइकिल जुलूस निकाला गया । पूर्व पार्षद व प्रदेश सचिव युवजन सभा वरूण सिंह के नेतृत्व मे लंका से, महमूरगंज से इंजीनियर विवेक सिंह , वरिस्ठ नेता ओ०पी० सिंह, अनुसूचित जाति जनजाति अध्यक्ष अजय प्रकाश राजू , पार्षद दल के नेता कमल पटेल, मुख्य सचेतक पार्षद दल हारून अंसारी,अल्पसंख्यक अध्यक्ष जावेद अंसारी, युवजन सभा महानगर अध्यक्ष सत्यप्रकाश सोनकर मैदागिन से,प्रदेश सचिव राजू यादव लक्सा से, यूवजनसभा प्रदेश सचिव अमित यादव एवं महानगर महासचिव जितेंद्र यादव मच्छोदारी से, युवजन सभा जिलाध्यक्ष किशन दीक्षित व प्रदेश सचिव युवजन सभा ईशान श्रीवास्तव, पाडेयपुर से लोहियावाहिनी अध्यक्ष दीपचंद गुप्ता,मुलायम सिंह यादव यूथ ब्रिगेड अध्यक्ष अब्दुल कलाम कुरैशी, अमित यादव गोदौलिया से, छात्र सभा अध्यक्ष सतीश यादव, अधिवक्ता सभा जमाल अंसारी, पिछड़ा वर्ग मिथिलेश बच्चा, सांस्कृतिक प्रकोष्ठ विश्वनाथ पटेल व रविकांत विश्वकर्मा ,विज्जू विश्वकर्मा, संदीप मिश्रा ने साइकिल जुलूस निकाला व शास्त्री घाट पहुंचे।

बिटिटिए ने योगी आदित्यनाथ से ट्रांसपोर्ट व्यवसाय बचाने की लगाया गुहार

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। बनारस टूरिस्ट ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन की 6 अगस्त शुक्रवार को मिंट हाउस नदेसर स्थित पी सी एफ प्लाजा कार्यालय मे समस्त पदाधिकारी एवंम वाराणसी के ट्रांसपोर्टर का हुआ बैठक । राकेश कुमार सिंह प्रधान (अध्यक्ष) ने कहा की मैं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से कहना चाहता हूं कि जैसा कि बार बार निवेदन करने पर भी पूरे उत्तर प्रदेश के ट्रांसपोर्टरों के हितों व उनकी जेनविन मांग को उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा नजर अंदाज किया जा रहा हैं और आज उत्तर प्रदेश का ट्रांसपोर्ट व्यवसाय खत्म होने के कगार पर है आज ट्रांसपोर्टर इस व्यवसाय से पलायन करना शुरू कर चुके हैं आने वाला समय में सरकार की मानसिकता के अनुरूप ये प्रतीत हो रहा है कि उत्तर प्रदेश के सभी ट्रांसपोर्टरों को खत्म कर-के यह सरकार खुद ही ट्रांसपोर्ट व्यवसाय करने की मंशा बना चुका है। राकेश सिंह ने बताया की मैं आप सभी मीडिया बंधुओं के माध्यम से उत्तर प्रदेश सरकार को चेतावनी देना चाहता हूं कि हम ट्रांसपोर्टरों की मांग को जल्द से जल्द विचार करके ट्रांसपोर्ट हित मे कोई उचित निर्णय नहीं लिया गया तो हम मुख्यमंत्री महोदय को वाराणसी में *घेरने का कार्य करेंगे और विधानसभा के सामने पूरे उत्तर प्रदेश के ट्रांसपोर्टर भूख हड़ताल पर बैठा जाएंगे उन्होनें कहा कि अगर हमारी मांगे एक सप्ताह में नहीं मानी गई तो हम पूरे प्रदेश स्तर पर ट्रांसपोर्टरों की एक मीटिंग कर-के विधानसभा और परिवहन मंत्री, ट्रांसपोर्ट कमिश्नर को घेरने का कार्य करेंगे और इसका जिम्मेदार उत्तर प्रदेश सरकार होगा। महामंत्री प्रकाश जायसवाल ने बोला कि ट्रांसपोर्टरों के हित में मुख्यमंत्री जी व परिवहन मंत्री, ट्रांसपोर्ट कमिश्नर, परिवहन आयुक्त, से मांग करते है कि जल्द से जल्द अदर स्टेट की टेंपरेरी परमिट जो कि प्रशासन द्वारा बंद कराई गई हैं उसको तत्काल प्रभाव से चालू किया जाए एवम 2 माह का लाक डाउन और 2 माह से आरटीओ द्वारा परमिट नहीं बनाई जा रही है इस तर्ज पर 4 माह का टैक्स माफी हों। चुकी आज हम सभी की गाडियां तकरीबन 2 साल से संचालन में नही है इस लिए हमारी हमारी गाडियों की उम्र सीमा 2 साल बढ़ाई जाए और पूरे उत्तर प्रदेश में जो वाहन समर्पित है उसको बगैर वाहन स्वामी के अनुमति के रिलीज न किया जाए व हम ट्रांसपोर्टरो को जीवनदान स्वरूप रोडवेज परिवहन के सभी रूट पर 25 % कि प्राइवेट बस ऑपरेटर को भागीदारी दिया जाए जिससे हम ट्रांसपोर्टरों को अपनी जीविका चलाने में सहूलियत मिल सकें। अन्यथा हम समस्त उत्तर प्रदेश के ट्रांसपोर्टर सड़कों पर आकर जन आंदोलन करने को बाध्य होंगे। संयुक्त रुप से (संरक्षक) विनोद कुमार सिंह (महामंत्री) प्रकाश जयसवाल ने बिटिटिए के अध्यक्ष राकेश कुमार सिंह को प्रधान (प्रधान संघ अध्यक्ष) एवम उपाध्यक्ष सुनील सिंह जी को (जिला पंचायत सदस्य) निर्वाचित होने पर कमेटी के समस्त पदाधिकारियों के तरफ से माला पहनाकर स्वागत एवं अभिनंदन किया और उनको सदा जनहित में कार्य करने हेतु बधाई दी। बैठक में उपस्थित लोगों में प्रभाकर पांडेय, विनोद सिंह, राजेश सिंह, राकेश कुमार सिंह, प्रकाश जायसवाल माया शंकर सिंह, राकेश श्रीवास्तव, सुनील सिंह, अनुराग सिंह, जमशेद भाई, गौरव सिंह,बंटी सिंह, श्री शशिप्रताप सिंह,दिनेश गुप्ता, बिकास सिंह, राजेंदर मौर्य, रोहित सिंह, विनय सिंह, धर्मेश श्रीवास्तव, मुकेश सिंह, अरशद खान,कृष्णा श्रीवास्तव, गुड्डू सिंह,अनिल दास,अखिलेश दादा,झब्बू सिंह, एवंम तमाम ट्रांसपोर्टर साथी उपस्थित रहे।

ब्लॉक प्रमुख चुनाव में धांधली को लेकर दायर हुई याचिका

प्रखर पिंडरा वाराणसी। गत दिनों हुए ब्लॉक प्रमुख चुनाव में धांधली को लेकर पिंडरा ब्लॉक प्रमुख के प्रत्याशी रहे सुनील यादव द्वारा गुरुवार को याचिका दायर की गई। न्यायालय ने दलीलों के आधार पर याचिका स्वीकार भी कर ली। याचिका स्वीकार होने की खबर क्षेत्र में फैलते ही शुक्रवार को खलबली मच गई है। जनपद न्यायालय में दायर कर गई याचिका में वादी सुनील यादव पुत्र स्व0 नंदलाल यादव निवासी नंदापुर ने आरोप लगाया है की चुनाव में नियमो की अनदेखी की गई धन व बल का प्रयोग किया गया और निर्धारित 19 की जगह 41 मतदाताओं को राइटर की सुबिधा दी गई। यही नही सुबिधा देते समय पूर्व मात्र 19 मतदातों द्वारा चुनाव में अपने शपथ पत्र अनपढ़ , अशक्त व अंधे होने को दशार्या गया। उसके बावजूद मतदान के एक दिन पहले चुपचाप तरीके से निर्वाचन अधिकारी द्वारा 41 लोगों को मत देने के लिए राइटर की सुबिधा दी गई। यही नही बिना किसी जांच पड़ताल के उन्हें मतदान के लिए सहायक निर्वाचन अधिकारी द्वारा स्वीकृत भी कर दिया। वकील द्वारा लिखित निर्वाचन अधिकारी द्वारा मिले प्रमाण पत्र को भी साक्ष्य के रूप में प्रस्तुत किया। जिसको देखने के बाद जनपद न्यायाधीश ने याचिका स्वीकार करते हुए सभी पक्षो को नोटिस जारी कर सुनवाई करने का आदेश दिया। वही न्यायालय द्वारा ब्लॉक प्रमुख चुनाव की याचिका स्वीकार करने के जानकारी बीडीसी सदस्यों और राजीनतिक दलों में मिलते ही हलचल मच गई। विदित हो कि 10 जुलाई को ब्लाक प्रमुख चुनाव व मतगणना के बाद धर्मेंद्र विश्वकर्मा को 7 मतों से विजयी घोषित सहायक निर्वाचन अधिकारी द्वारा किया गया था।

अन्न महोत्सव कार्यक्रम के तहत क्षेत्र के राशनकार्ड दुकान पर जनमानस को अनाज वितरित के साथ मिठाई खिलाकर राशन वितरण किया

प्रखर रामनगर वाराणसी। नगर के सभी सरकारी खाद्यान्न वितरण स्थल पर मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं विधान परिषद सदस्य माननीय श्री लक्ष्मण आचार्य जी ने चंद्रभूषण एवं सोमारू जी के सार्वजनिक वितरण प्रणाली केंद्र पर माननीय प्रधानमंत्री जी के प्रेरणा से योगी जी के सहयोग से मंडल अध्यक्ष अजय प्रताप सिंह के नेतृत्व में मेंअन्न महोत्सव कार्यक्रम के तहत रामनगर क्षेत्र के राशनकार्ड दुकान पर जनमानस को अनाज वितरित के साथ मिठाई खिलाकर राशन वितरण किया सरकारी राशन की दुकान पर आयोजित कार्यक्रम 'अन्न महोत्सव' में ह्यप्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजनाह्ल के लाभार्थियों के साथ माड्ड प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का उद्बोधन सुना व जनता-जनार्दन को सम्बोधित किया,नगर के कार्यक्रमो में मुख्य रूप से सुश्री आशा गुप्ता, मंडल अध्यक्ष अजय प्रताप सिंह नँद लाल चौहान, अशोक जायसवाल, डॉ अनुपम गुप्ता,सर्वेन्द्र विक्रम सिंह,प्रशांत सिंह, राजेन्द्र शंकर पटेल,मुन्ना निषाद,संतोष शर्मा, मनोज यादव ,सुरेश बहादुर सिंह , विनोद कुमार पटेल, अनिरुद्ध कन्नौजिया, बृजेश कुमार, प्रीति सिंह प्रमुख रूप से थी।

सपा कार्यकर्ताओं ने भाजपा सरकार के जुल्म के खिलाफ लंका सिंह द्वार से तहसील सदर तक निकाला साइकिल जुलूस

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश और युवजनसभा के प्रदेश अध्यक्ष अरविन्द गिरी के आहवान पर युवजनसभा प्रदेश सचिव वरुण सिंह और महानगर अध्यक्ष सत्यप्रकाश सोनकर सोनू के नेतृत्व में छोटे लोहिया स्व0 जनेश्वर मिश्रा के जयंती के अवसर पर लोकतंत्र विरोधी , किसान विरोधी , महिला विरोधी , नौजवान विरोधी , महंगाई समर्थक भाजपा सरकार के जुल्म के खिलाफ लंका सिंह द्वार से तहसील सदर तक साइकिल जुलूस निकाला । जुलूस को राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य और पूर्व विधायक अविनाश कुशवाहा और जिलाध्यक्ष सुजीत यादव लक्कड़ ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया । साइकिल जुलूस से पूर्व हुई सभा को सम्बोधित करते हुए पूर्व विधायक अविनाश कुशवाहा और जिलाध्यक्ष सुजीत यादव लक्कड़ ने कहा यह जुल्मी सरकार को उखाड़ फेंकने तक

समाजवादियों का जुनून बना रहना चाहिए । प्रदेश सचिव वरुण सिंह ने कहा लोकतंत्र का गला घोंटने में माहिर इस सरकार को महिलाओं के चीरहरण करके सत्ता पाने की लालसा ने प्रदेश की छवि राष्ट्रीय अस्तर पर धूमिल किया है । महानगर अध्यक्ष सत्यप्रकाश सोनकर सोनू ने कहा नौजवान बेरोजगारी का दंश झेल रहा है और सरकार अपने पूंजीपति दोस्तों के उद्धार में व्यस्त है महानगर उपाध्यक्ष वीरेन्द्र यादव , संजय यादव और सतीश पाल ने कहा जब शिक्षक अपने हक की बात करता है तो यह सरकार लाठी से उनका स्वागत करती है । कैंट विधानसभा अध्यक्ष अरविंद यादव गोलू और दक्षिणी विधानसभा अध्यक्ष आकाश पाण्डेय ने कहा पेट्रोल डीजल मूल्यवृद्धि से आम आदमी की कमर टूट चुकी है । उत्तरी विधानसभा अध्यक्ष हृदय राजभर और रामनगर के नगर अध्यक्ष उमेश सोनकर गब्बर ने एक स्वर में किसानों के आंदोलन को कुचलने में लगी सरकार की 2022 में विदाई करने की बात दोहराई ।

भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ सपा कार्यकताओं ने निकाला साईकिल यात्रा

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। जनेश्वर मिश्र की जयंती पर राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के आवाहन पर उत्तर प्रदेश समाजवादी पार्टी का हर कार्यकर्ता वर्तमान सरकार की जनविरोधी नीतियों और समाजवादी पार्टी 2022 में उत्तर प्रदेश की गद्दी पर बैठकर जनता के विकास के माध्यम से उत्तर प्रदेश की जनता को खुशहाल बनाने का काम करेगी जिसके तहत अजगरा विधानसभा के चोलापुर ब्लॉक में से शुरू करके हाजीपुर ताला बेला बगिया निहार हथियार अजगरा तक साइकिल चलाकर जन-जन के बीच में समाजवादी पार्टी की नीतियों को बताने का काम समाजवादी पार्टी के सभी कार्यकताओं ने किया। साईकिल यात्रा में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेने के लिए.राजू यादव प्रदेश सचिव सपा, नीरज यादव एडवोकेट, संदीप यादव प्रदेश सचिव युवजन सभा, विकाश यादव बच्चा , बाबुलाल यादव अध्यक्ष अजगरा यूथ ब्रिगेड , जिला उपाध्यक्ष अभिषेक राय छात्र सभा से उपाध्यक्ष हिमांशु यादव, छात्र सभा से विद्यापीठ छात्र नेता राहुल यादव मनोज यादव अजीत यादव सौरव यादव अश्वनी यादव गब्बर यादव मोनू अली समीर अली विनीत यादव राजवीर अखिलेश भाई प्रदुम सिंह जिला सचिव अंकित समाजवादी पार्टी अजगरा विधानसभा से और तमाम समाजवादी पार्टी के साथी उपस्थित रहे।

लोक सामिति ने राजातालाब तहसील में अधिवक्ताओ को बांटा मास्क

प्रखर मिजार्मुराद वाराणसी। आशा ट्रस्ट व लोक समिति की ओर से शुक्रवार को राजातालाब तहसील में अधिवक्ताओ, अधिकारियो, कर्मचारियों व आमजन के बीच करीब 1200 एन-95 व काटन का मास्क वितरण किया गया।कोरोना वायरस से बचाव एवं वैक्सिनेशन के प्रति जागरूक करने हेतु तहसील परिसर में पोस्टर प्रदर्शनी भी लगायी गयी। लोक समिति संयोजक नन्दलाल मास्टर ने बताया कि आशा ट्रस्ट के सहयोग से एन-95 और लोक समिति द्वारा संचालित किशोरी सिलाई केंद्र व महिला समूहों द्वारा काटन मास्क बनाया गया हैं।जिसे ग्रामीणों में निःशुल्क वितरित किया जा रहा हैं।अब तक क्षेत्र में बीस हजार से अधिक मास्क वितरित किया जा चुका हैं।दी तहसील बार एसोसिएशन के अध्यक्ष एडवोकेट दिनेश कुमार शर्मा व महामंत्री नन्दकिशोर सिंह पटेल ने कहा कि कोरोना महामारी में संस्था का प्रयास सराहनीय हैं।

20 से चल रहा मुकदमा किसानों ने जीती, मिलेगा मुआवजा

प्रखर पिंडरा वाराणसी। करखियाव स्थित यूपीएसआईडीसी द्वारा अधिग्रहित जमीन के अधिग्रहण से ही न्यायालय में चल रहा विवाद गुरुवार को खत्म हो गया। सुप्रीम कोर्ट ने किसानों के पक्ष में फैसला सुनाया। बताते चलें कि उक्त जमीन पर अमूल का प्लांट लगना है। जीत के बाद किसानों ने एक दूसरे को माला पहनाकर जश्न मनाया। अब यूपीएसआईडीसी को 50 करोड़ रुपए 95 किसानों को ब्याज सहित देना होगा।। बताते चलें कि 2001 में 95 किसानों को कम रेट में जमीन का अधिग्रहण कर लिया गया था। तभी से किसान लोअर कोर्ट से हाईकोर्ट तक पहुचे थे। हर बार कोर्ट ने किसानों के पक्ष में फैसला दिया था लेकिन यूपीएसआईडीसी उसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में रिट याचिका दाखिल की थी। लंबी सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले को सही ठहराया और सन 2001 से 2021 तक 15 प्रतिशत ब्याज की दर से रिट में शामिल 95 किसानों को लगभग 50 करोड़

रुपए देने का आदेश दिया। विदित हो कि 2018 में ही हाईकोर्ट ने उक्त आदेश दिया था। उसी आदेश को सुप्रीम कोर्ट ने सही माना। लोअर कोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक किसानों के लड़ाई लड़ने तहसील बार पिंडरा के पूर्व अध्यक्ष श्रीनाथ गोंड़ ने बताया कि हाईकोर्ट के पूर्व जज रहे और किसानों के वकील सखाराम ने किसानों की लड़ाई कोर्ट में लड़ी और फैसला आने पर किसान खुश है। बताते चलें कि किसान यूनियन लोकशक्ति के बैनर तले पिछले माह उक्त जमीन पर अमूल प्लांट लगाने के लिए सीमांकन के दौरान किसानों ने विरोध किया था और पुलिस ने लाठीचार्ज भी किया था। यूनियन के जिलाध्यक्ष धनंजय सिंह ने इसे किसानों के संघर्ष की जीत बताया। वही मुकदमे की जीत मिलने पर किसान राजकुमार यादव, राजकुमार राजभर, मनोज राजभर,जवाहिर सरोज,प्रवीण दुबे,संतोष सरोज, लालमन, मुन्नालाल, हरिलाल, देवनाथ, रामनारायण, अतु, अच्छेलाल समेत अनेक किसानों ने इसे संघर्षों की जीत बताया और कहाकि 20 साल बाद मिला लेकिन सही मिला।

शाहगंज में नगर से गाँव-गाँव तक साइकिल लेकर सड़कों पर उतरे 10 हजार से अधिक सपाई

प्रखर शाहगंज, जौनपुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव निर्देश पर वरिष्ठ दिवंगत समाजवादी नेता जनेश्वर मिश्र की जयंती पर उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार की नीतियों के विरोध में गुरुवार को शाहगंज नगर में पूर्व मंत्री व विधायक शैलेंद्र यादव ललई शाहगंज नगर के नजीराबाद में साइकिल यात्रा को हरी झंडी दिखाई और खुद भी तहसील मुख्यालय तक साइकिल से पहुंचे। इसके बाद दूसरे जगह साइकिल यात्रा में शामिल होने चले गए।कार्यकताओं ने दादर बाईपास वाया पुरानी बाजार, नई सब्जी मंडी, भादी खास होते हुए चूड़ी मोहल्ला, पुराना चौक, एराकियाना तक साइकिल यात्रा निकाली। इसमें सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल हुए। कार्यकर्ता महंगाई के विरोध में नारेबाजी करते हुए चल रहे थे।

विधायक शैलेंद्र यादव ललई ने अन्य जगहों से अपने विधानसभा क्षेत्र शाहगंज में बेहतर तरीका अपनाया जिससे लोगों को सहूलियत मिली और रोड पर जाम न लगे। समस्या न हो इस लिये विधानसभा शाहगंज क्षेत्र के 39 सेक्टरों में पदाधिकारियो और कार्यकताओं के माध्यम से सपाइयों ने अपने सेक्टरों में गाँव- गाँव मछरों में जोशीले अंदाज में साइकिल यात्रा निकाली। ललई यादव ने बयान में कहा कि सपा ने साइकिल यात्रा के माध्यम से अन्याय के खिलाफ संघर्ष का निर्णय किया है और इस साइकिल यात्रा का उद्देश्य मोहम्मद आजम खां को फर्जी मुकदमों में फंसाकर जेल में रखने, चरम पर अपराध और भ्रष्टाचार, बेलगाम मंहगाई, किसानों पर थोपे गए तीन काले कृषि कानूनों की मार, बेरोजगारी से बेहाल नौजवान, महिला उत्पीड़न, आरक्षण पर संघी प्रहार, जिला पंचायत में धांधली के कारण लोकतंत्र पर खतरा और चौपट स्वास्थ्य व्यवस्था के कारण कोरोना से हुई मौतों के खिलाफ जनरोष दर्ज किया गया।

अगस्त क्रांति की याद में 9 व 10 को कांग्रेस निकालेगी पदयात्रा

प्रखर पुर्वांचल मंडुआडीह वाराणसी। जिला काँग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों की बैठक जिलाध्यक्ष राजेश्वर सिंह पटेल के नेतृत्व में कैम्प कार्यालय चांदपुर,इंडस्ट्रियल इस्टेट में गुरुवार को हुई।बैठक में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के दिशानिर्देशन में अगस्त क्रांति की स्मृति में भाजपा गद्दी छोड़ो मार्च का विधानसभा वार सर्वसम्मति से आयोजन करना सुनिश्चित किया गया।इसी कड़ी में 9 अगस्त को रोहनिया,अजगरा,शिवपुर विधानसभा में तथा 10 अगस्त को पिंडरा,सेवापुरी विधानसभा में

पदयात्रा निकालने का प्रस्ताव पारित किया गया। उक्त यात्राएं लगभग तीन बजे अपने निश्चित स्थान से प्रारंभ होगी।

बैठक में प्रदेश सचिव कमलेश ओझा, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता राम स्नेही पांडेय,जिला उपाध्यक्ष श्री प्रकाश सिंह,प्रदेश उपाध्यक्ष विधि प्रकोष्ठ अशोक कुमार सिंह,वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष राजीव कुमार गौतम, जिला उपाध्यक्ष राजीव कुमार राम, महासचिव डा0 एस0 एन0 सिंह,देवेंद्र सिंह, अनुराधा यादव जिलाध्यक्ष कांग्रेस कमेटी, केशव प्रसाद वर्मा जिलाध्यक्ष पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ, मनोज द्विवेदी जिलाध्यक्ष सेवा दल, कल्पनाथ शर्मा,रामाश्रय पटेल, अशोक चौबे, अजय कुमार, अखिलेश सिंह, शिवानंद उपाध्याय, शाहिस्ता यास्मीन आदि काँग्रेसजन उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

गंगा में मगरमच्छ के भय से सहमे लोग

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। गाजीपुर कोतवाली क्षेत्र के बेगमपुर अति प्राचीन काली मंदिर पक्का पुल के पूर्व के क्षेत्र में मगरमच्छ के भय से लोग सहमे हुए हैं गंगा नदी में तेजी से बढ़ते हुए जलस्तर के चलते तटवर्ती लोग चिंतित हैं वही नदियों के जलस्तर में तेजी से हो रही वृद्धि से किनारे बसे गांव बाढ़ एवं कटान पीड़ितों के दिन के चैन और रात की नींद उड़ गई है वही मगरमच्छ का खौफ भी लोगों में देखने को मिल रहा है तटवर्ती लोग गंगा किनारे जाने से भी डरते हैं इस मगरमच्छ को मां काली मंदिर पर आने जाने वाले तमाम लोग देख रहे हैं और उन्हें आते जाते भी डर सता रहा है देखने वाले हरि केदार कुंदन मंगल रमेश कृष्णा राकेश संजीव दीपक राज कुमार आदि लोगों ने मगरमच्छ को देखा है यह क्षेत्र बेगमपुर फूलपुर पक्का पुल के पूर्व दिशा में है।

क्षतिग्रस्त सड़क के चलते दो बाइक सवार भिड़े, एक की मौत

प्रखर पिंडरा वाराणसी। फूलपुर थाना क्षेत्र के मिराशाह पोखरे के कुछ दूरी पर वाराणसी- जौनपुर मार्ग पर दो बाइक सवार के बीच हुई आमने सामने की टक्कर हो गई। जिसमें एक बाइक सवार की मौके पर मौत हो गई। घटना गुरुवार की सुबह 10 बजे की है। बताया जाता है कि पिंडरा के रमईपुर निवासी आनंद सिंह 30 वर्ष करखियाव स्थित एग्रो पार्क के एक फैक्टरी में ड्यूटी करने के बाद दूसरे के बाइक से अपने घर लौट रहा था तभी पिंडरा की तरफ से फूलपुर निवासी सोनू पटेल 19 वर्ष पड़ोसी की बाइक लेकर अपना काम करने के बाद घर जा रहा था। तभी क्षतिग्रस्त सड़क के चलते दोनों बाइक सवार भीड़ गए। टक्कर इतनी तेज था कि दोनों दूर जा गिरे। जिससे उन्हें सिर व हाथ पैर में चोटे आई। पुलिस की मदद से पीएचसी पिंडरा ले जाया गया जहाँ रेफर कर दिया गया। उसके बाद आनन्द सिंह बीएचयू सिंह ट्रामा सेंटर पहुचे जहाँ एक बजे इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक के पिता की पहले ही मौत हो चुकी थी और वह एकलौता पुत्र था। मृतक को दो पुत्र है। वही फूलपुर निवासी सोनू पटेल मुंबई में निजी फैक्टरी मे काम करता था लेकिन लॉक डाउन से ही घर पर रह रहा था। दुर्घटना में दोनों की बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर अंत्यपरीक्षण हेतु भेज दिया।

श्री अमरेंद्र को पूर्वांचल प्रकोष्ठ वाराणसी का जिला अध्यक्ष किया गया नियुक्त

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। आम आदमी पार्टी उत्तर प्रदेश के प्रभारी संजय सिंह एवं प्रदेश अध्यक्ष सभाजीत सिंह जिला वाराणसी के संस्तुति से अमरेंद्र पूर्वांचल प्रकोष्ठ का जिला अध्यक्ष वाराणसी नियुक्त किया गया अमरेंद्र जी जुझारू एवं संघर्षशील व्यक्तित्व के धनी व्यक्ति हैं।

नवोदय की परीक्षा 11 को 21 केंद्रों पर होगी

प्रखर पिंडरा वाराणसी। गजोखर स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय में कक्षा 6 में प्रवेश के लिए आगामी 11 अगस्त को जिले के 21 केंद्रों पर परीक्षा होगी। परीक्षा में 9582 परीक्षार्थी भाग लेंगे। उक्त जानकारी देते हुए प्राचार्य पी के सिंह ने बताया इस बार छात्र संख्या अधिक होने के कारण 11 की जगह 21 केंद्र बनाए गए हैं। 21 केंद्रों पर 9582 छात्र छात्राएं परीक्षा में भाग लेंगी। ग्रामीण क्षेत्र में 19 व शहरी क्षेत्र के 2 जगह पर परीक्षा होंगे। परीक्षा 11 अगस्त को सुबह साढ़े 11 बजे से डेढ़ बजे तक होगी। नवोदय के वेबसाइट से प्रवेश होगा डाऊनलोड प्राचार्य ने बताया कि नवोदय विद्यालय समिति के वेबसाइट navodaya.gov.in पर पंजीकरण संख्या को यूजर आईडी तथा जन्मतिथि को पासवर्ड के रूप में प्रयोग कर डाऊनलोड कर सकते हैं। किसी भी प्रकार की समस्या पर हेल्पलाइन नम्बर- 7905195208, 6299820911 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

श्रावण शिवरात्रि के लेकर प्रशासन अलर्ट मन्दिर,घाट तथा गलियों में भ्रमण ,निरीक्षण एवं फुट पेट्रोलिंग

प्रखर वाराणसी वाराणसी। श्रावण शिवरात्रि के दृष्टिगत अपर पुलिस उपायुक्त विकास चन्द्र त्रिपाठी तथा एडीएम सिटी गुलाब चन्द् द्वारा वाराणसी के मन्दिर,घाट तथा गलियों में भ्रमण , निरीक्षण एवं फुट पेट्रोलिंग किया गया तथा घाटों को घूमने वाले को आवश्यक निर्देश दिया गया।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट https://prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं